



आईआईटी बॉम्बे के प्रो. सूर्यनारायण डूला सस्पेंड

- छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड केस में बड़ा ऐवशन
- डूला के ऊपर परिवार ने लगाए हैं उत्पीड़न के आरोप

मुंबई (एजेंसी)। आईआईटी बॉम्बे के छात्र साहिल वाकोडे के सुसाइड के मामले में पहली बड़ी कार्रवाई सामने आई है। आईआईटी बॉम्बे ने मामले के तूल पकड़ने और छात्रों के प्रोटेस्ट के बीच आईआईटी बॉम्बे के डीन (प्रशासनिक मामले) प्रो. सूर्यनारायण डूला को तत्काल प्रभाव से सस्पेंड कर दिया गया है। आईआईटी बॉम्बे के डायरेक्टर शिरीष बी. केदारे ने कहा है कि जांच के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी। आईआईटी ने यह कार्रवाई 22 वर्षीय छात्र साहिल रवींद्र वाकोडे की हॉस्टल में सुसाइड और परिवार द्वारा जातिसूचक टिप्पणियां करने के आरोप के बाद की है। साहिल 18 सितंबर 2026 की शाम को संस्थान के हॉस्टल नंबर-4 में मृत पाया गया



था। आईआईटी डायरेक्टर का इस्तीफा नहीं- आईआईटी बॉम्बे ने साफ किया है कि छात्र साहिल वाकोडे के आत्महत्या करने के मामले में संस्थान के निदेशक ने इस्तीफा नहीं दिया है। दरअसल, कैपस के मेन गेट पर प्रदर्शन कर रहे छात्रों से मिलने के लिए जब आईआईटी बॉम्बे को निदेशक शिरीष केदारे पहुंचे थे तो उन्होंने एक कागज पर दस्तखत किए थे। इसके बाद दावा किया गया था कि 21 सितंबर को इस्तीफा दे देंगे। आईआईटी बॉम्बे ने इस्तीफे के दावों का खंडन कर दिया है। आईआईटी बॉम्बे के दिवंगत छात्र साहिल वाकोडे के पिता रवींद्र वाकोडे की शिकायत पर मुंबई पुलिस के पवर्ड थाने में एक एफआईआर दर्ज की गई है। इसमें प्रो. सूर्यनारायण डूला पर जातिवादी टिप्पणियां करने के साथ उत्पीड़न का आरोप है। गौरतलब हो कि जब शुक्रवार को छात्र साहिल को मिड सेमेस्टर परीक्षा के दौरान मोबाइल का इस्तेमाल करते हुए पकड़ा गया था। तो उस वक़्त पर डूला परीक्षा में बतौर इनविजिलेटर ड्यूटी कर रहे थे।

छात्रों ने किया था बड़ा प्रोटेस्ट

साहिल के हॉस्टल में सुसाइड करने के बाद कैपन में बड़ा प्रोटेस्ट सामने आया था। इसके बाद निदेशक खुद छात्रों से मिलने पहुंचे थे। इसमें प्रो. सूर्यनारायण डूला को सस्पेंड करने की मांग भी शामिल थी। आईआईटी बॉम्बे को मिड सेमेस्टर परीक्षाएं भी रद्द करनी पड़ी थीं। साहिल वाकोडे से पहले दर्शन सोलंकी नाम के छात्र ने आईआईटी बॉम्बे में सुसाइड कर लिया था। दोनों मामलों में जातिगत टिप्पणियों और भेदभाव को कारण बताया जा रहा है। साहिल वाकोडे की मौत के बाद मुंबई पुलिस जांच कर रही है।

एमपी में अब रोबोट जांचेगा पानी और सीवर की लाइन

- भागीरथपुरा हादसे के बाद प्रदेश सरकार का बड़ा फैसला

भोपाल (एजेंसी)। इंदौर के भागीरथपुरा में दूषित पानी से 36 मौतों के बाद मध्य प्रदेश सरकार ने पेयजल और सीवर लाइनों के घालमेल की जांच के लिए रोबोटिक निरीक्षण कराने का फैसला किया है। नगरीय प्रशासन एवं विकास संचालनालय ने सभी नगर निगमों, नगर पालिकाओं और नगर परिषदों को 70 से 900 मिमी व्यास वाली पानी और सीवर पाइपलाइनों की जांच कराने के निर्देश दिए हैं। इसके लिए चेन्नई की एक विशेषज्ञ एजेंसी को एम्पैनल किया गया है। एजेंसी 40 रुपए प्रति मीटर की दर से पाइपलाइनों की जांच करेगी। नगरीय प्रशासन विभाग ने इसके लिए एक साल का एग्रीमेंट किया है।



15 से अधिक राज्यों में इस्तेमाल हो रही है यह तकनीक

मध्य प्रदेश इस तकनीक का इस्तेमाल पहली बार करने जा रहा है। नीति आयोग के फ्रंटियर टेक नेटवर्क की अप्रैल 2026 की रिपोर्ट के मुताबिक, तमिलनाडु, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश और दिल्ली सहित 15 से अधिक राज्यों में रोबोटिक पाइपलाइन निरीक्षण का इस्तेमाल हो रहा है।

बिना सड़क खोदे होगी मरम्मत

सीवर लाइन लीक होने से उसका पानी पेयजल लाइन में मिल गया था। अकेले भागीरथपुरा में ऐसे 260 पॉइंट्स मिले, जहां सीवर का पानी पेयजल में मिल रहा था। हादसे के बाद सरकार ने जीआईएस प्लेटफॉर्म 'गरुड़' से पूरे प्रदेश की मैपिंग कराई। इसमें मध्य प्रदेश में 2.30 लाख से अधिक ऐसे पॉइंट्स मिले, जहां सीवर और पेयजल पाइपलाइनें एक-दूसरे को क्रॉस कर रही हैं। यहां बिना सड़क खोदे मरम्मत की जाएगी। इनमें इंदौर में 30 हजार और भोपाल में 20 हजार से अधिक डेंजर क्रॉसिंग पॉइंट्स हैं, जहां सीवर का पानी पेयजल में मिलने का खतरा है। नगरीय प्रशासन विभाग ने इस काम के लिए 1.50 करोड़ रुपए की अनुमानित लागत तय की है।

दोबारा गिरफ्तारी के लिए मजिस्ट्रेट की मंजूरी जरूरी

- पुलिस को बताना होगा कारण, सुप्रीम कोर्ट ने तय किए नियम
- गिरफ्तारी की वजह नहीं बताई तो ऐवशन गैरकानूनी कहलाएगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। सुप्रीम कोर्ट ने सोमवार को कहा कि किसी व्यक्ति को गिरफ्तार करते समय उसे गिरफ्तारी की वजह लिखित में बताना जरूरी है। ऐसा नहीं करने पर गिरफ्तारी गैरकानूनी मानी जाएगी। कोर्ट ने कहा कि अगर ऐसी गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति को रिहा कर दिया जाता है और जांच एजेंसी उसे दोबारा गिरफ्तार करना चाहती है, तो पुलिस सिधे उसे नहीं पकड़ सकती। इसके लिए पहले मजिस्ट्रेट से मंजूरी लेनी होगी। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि पहली गिरफ्तारी में नियमों का उल्लंघन करने वाले पुलिस अधिकारी के खिलाफ विभागीय जांच होगी। दोबारा गिरफ्तारी की स्थिति में मामले की आगे की जांच किसी दूसरे अधिकारी को सौंपी जाएगी। कोर्ट ने ये टिप्पणियां शिरोधार्य अकाली दल से जुड़े जबरनकरनजीत सिंह की अपील पर कीं।



मजिस्ट्रेट को दोबारा गिरफ्तारी की वजह बतानी होगी

अगर अनुच्छेद 22(1) के उल्लंघन के कारण किसी व्यक्ति को रिहा किया जाता है और जांच एजेंसी को आगे की जांच के लिए उसकी हिरासत जरूरी लगती है, तो उसे दोबारा पकड़ने के लिए संबंधित न्यायिक मजिस्ट्रेट के सामने अर्जी देनी होगी। अर्जी में दोबारा गिरफ्तारी की वजह और उसकी जरूरत बतानी होगी। साथ ही यह भी समझाना होगा कि पहली बार गिरफ्तारी के समय आरोपी को उसके कारण क्यों नहीं बताया गए थे। यह अर्जी आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में देने के बाद ही दाखिल की जा सकेगी। कोर्ट ने कहा कि संविधान के जिस प्रावधान का पहली बार उल्लंघन हुआ, उसी के उल्लंघन के लिए जिम्मेदार अधिकारी को दोबारा गिरफ्तारी का फैसला नहीं दिया जा सकता।

- गिरफ्तारी की वजह समझ आने वाली भाषा में लिखित देनी होगी- जस्टिस उज्जल भुइयां और जस्टिस अतुल चंद्रकुर की बेंच ने कहा कि संविधान के अनुच्छेद 22(1) के तहत आरोपी को गिरफ्तारी की वजह लिखित में बतानी होगी। यह जानकारी ऐसी भाषा में होनी चाहिए, जिसे आरोपी समझ सके। इसकी एक कॉपी भी उसे बिना किसी अपवाद के जल्द से जल्द देनी होगी। कोर्ट ने कहा कि यह सिर्फ कानूनी प्रक्रिया नहीं, बल्कि व्यक्ति का मौलिक और वैधानिक अधिकार है।

गैरकानूनी गिरफ्तारी के बाद रिहाई जमानत नहीं

कोर्ट ने कहा कि अनुच्छेद 22(1) के उल्लंघन के कारण अगर किसी व्यक्ति को रिहा किया जाता है, तो इसे जमानत पर रिहाई नहीं माना जाएगा। व्यक्ति को गैरकानूनी और असंवैधानिक हिरासत से मुक्त किया जाता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर संविधान के अनुच्छेद 22(2) का उल्लंघन हुआ हो और जांच एजेंसी रिहा किए गए व्यक्ति की हिरासत फिर चाहती हो, तो इसी तरह की प्रक्रिया अपनानी होगी। परिस्थितियों के आधार पर हाईकोर्ट सार्वजनिक कानून के तहत मुआवजा देने का निर्देश भी दे सकता है।

चार्जशीट दाखिल करने से गैरकानूनी गिरफ्तारी वैध नहीं होगी

कोर्ट ने कहा कि बाद में चार्जशीट दाखिल करने या कोर्ट के संज्ञान लेने से ऐसी गिरफ्तारी वैध नहीं हो जाएगी। अनुच्छेद 22(1) के तहत गिरफ्तारी की वजह बताने का अधिकार गिरफ्तारी के समय ही पूरा करना होगा। कोर्ट ने यह भी कहा कि आरोपी को यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि गिरफ्तारी के कारण नहीं बताए जाने से उसे कोई नुकसान हुआ। जब संविधान के अधिकार का उल्लंघन होता है, तो अलग से नुकसान साबित करने की शर्त नहीं लगाई जा सकती। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट किया कि अनुच्छेद 22(1) किसी एक कानून तक सीमित नहीं है। यह सामान्य अपराधों के साथ-साथ विशेष कानूनों के तहत हुई गिरफ्तारियों पर भी लागू होता है। कोर्ट ने इसे केवल प्रक्रिया या औपचारिकता मानने से इनकार किया।

कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को झटका

नागरिकता से पहले वोटर लिस्ट में नाम पर बड़ा फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले 1980 में मतदाता सूची में नाम जुड़वाने के मामले में कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी को मुश्किलें बढ़ सकती हैं। राउज एवेन्यू की विशेष अदालत ने प्राथमिकी दर्ज करने के आदेश से इनकार करने वाले मजिस्ट्रेट कोर्ट के आदेश को रद्द कर दिया है। सोनिया गांधी पर आरोप है कि उन्होंने भारतीय नागरिकता मिलने से तीन साल पहले, 1980 में जाली दस्तावेजों का इस्तेमाल कर मतदाता सूची में अपना नाम जुड़वाया था।



उपचुनाव से पहले थलपति विजय का चुनावी दांव

2 अक्टूबर से महिलाओं के लिए फ्री बस यात्रा स्कीम लॉन्च

चेन्नई (एजेंसी)। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री विजय दो सीटों के उपचुनाव की वोटिंग से पहले बड़ा दांव खेलेंगे। विजय ने दो अक्टूबर यानी गांधी जयंती के मौके पर बहुप्रतीक्षित महिलाओं और ट्रांसजेंडर के लिए बस में मुफ्त सफर की शुरुआत करेंगे। विजय की अगुवाई वाली टीवीके सरकार ने इस योजना को नया नाम दिया है। तमिलनाडु में मद्रुतकम और धारापुरम सीटों के



उपचुनाव के लिए 6 अक्टूबर को वोट डाले जाएंगे। विजय ने 24 अगस्त को तमिलनाडु विधानसभा में इस योजना का ऐलान किया था। वोटिंग से पहले तीन बड़ी स्कीम- विजय इससे पहले 22 सितंबर यानी मौलवार को पेरुन्थालाडवर कामराजार ब्रेकफास्ट स्कीम लांच करेंगे। पहले इसे मुख्यमंत्री नाश्ता योजना या कहा जाता था जिसे विजय सरकार ने बदल दिया है। इस विस्तारित योजना के तहत कक्षा 6 से 8 तक के छात्रों को शामिल किया जा रहा है। इसके बाद विजय 28 सितंबर 2026 को थाममन थंगा मोथिरम थिट्टम यानी गोल्ड रिंग स्कीम शुरू करेंगे। इस योजना मुख्यमंत्री विजय के जन्मदिन 22 जून से प्रभावी माना गया है। इस योजना के तहत सरकारी अस्पतालों में जन्म लेने वाले प्रत्येक नवजात शिशु को 1 ग्राम सोने की अंगूठी उपहार में दी जाएगी।

कर्नाटक विधानसभा में बीजेपी विधायकों ने गाया पूरा वंदे मातरम

बेंगलुरु (एजेंसी)। कर्नाटक विधानसभा के 3 दिन के स्पेशल सेशन के पहले दिन सोमवार को वंदे मातरम को लेकर विवाद हो गया। विधानसभा में वंदे मातरम की रिकॉर्डिंग सिर्फ दो पैराग्राफ के बाद रोक दी गई। इसके बाद भाजपा विधायकों ने विरोध किया और बाकी के 4 पैरा खूद गाए। विधान परिषद में भी भाजपा सदस्यों ने पूरा गीत गाया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की। कर्नाटक सरकार ने सूखे की स्थिति और पश्चिमी घाट से जुड़ी

कस्तूरीरंगन रिपोर्ट पर चर्चा के लिए तीन दिन का विशेष सत्र बुलाया है। कर्नाटक की कांग्रेस सरकार ने सरकारी कार्यक्रमों में वंदे मातरम के पहले दो पैरा गाने का आदेश दिया है। इसी के तहत विधानसभा और विधान परिषद में रिकॉर्डिंग दो पैरा के बाद रोक दी गई थी। हालांकि, राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री या राज्यपाल की मौजूदगी वाले कार्यक्रमों में यह नियम लागू नहीं होगा।

कांग्रेस ने तय किया था- वंदे मातरम के दो पैरा गाए जाएंगे- इसी साल 9 जुलाई को केन्द्रीय गृह मंत्रालय ने निर्देश दिया था कि सभी सरकारी कार्यक्रमों में राष्ट्रगान 'जन-गण-मन' के साथ 'वंदे मातरम' के सभी 6 पद गाए जाएं।

राजस्थान के 5 निगमों के तय हुए नए महापौर

4 में भाजपा की जीत और एक में कांग्रेस ने लहराया परचम



जयपुर (एजेंसी)। राजस्थान निकाय चुनाव 2026 के अंतर्गत प्रदेश की 5 प्रमुख नगर निगमों में महापौर (मेयर) पदों के लिए हुए कड़े और रोमांचक मुकाबलों के अंतिम परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। राजनीतिक शह-मात और क्रास वोटिंग के बीच भारतीय जनता पार्टी ने 4 नगर निगमों में बाजी मारी है, जबकि कांग्रेस ने 1 नगर निगम में अपना बोर्ड बनाकर परचम लहराया है। अजमेर नगर निगम चुनाव में सबसे बड़ा राजनीतिक उलटफेर देखने को मिला। 37 सीटें जीतकर सबसे बड़ी पार्टी बनी कांग्रेस बहुमत के आंकड़े से चूक गई। भाजपा (32 सीटें) ने निर्दलीयों के बूते संध्यामारी करते हुए 43 मत हासिल किए और भाजपा की अनामिका शर्मा ने कांग्रेस की किरण गड़वाल को हरा दिया।

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिम बंगाल में विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के दौरान मतदाता सूची से हटाए गए लाखों लोगों के लिए मतदान के अधिकार को वापस पाना एक बड़ी चुनौती बन गया है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा गठित अपीलीय ट्रिब्यूनल में मामलों के निपटारे की मौजूदा रफ्तार को देखते तो सभी लंबित आवेदनों का फैसला होने में 12 साल से भी अधिक (लगभग 146 महीने) का समय लग सकता है।



पांच महीनों में 1.25 मामलों का हुआ निपटारा

सुप्रीम कोर्ट में चुनाव आयोग द्वारा दाखिल एक हलफनामे के अनुसार, अप्रैल के मध्य से लेकर अब तक पिछले पांच महीनों में ट्रिब्यूनल ने केवल 1,26,194 मामलों का निपटारा किया है। यानी ट्रिब्यूनल सातों दिन काम करते हुए भी हर महीने औसतन 25,238 मामलों का ही फैसला कर पा रहा है। 16 सितंबर तक ट्रिब्यूनल के पास कुल 37,05,235 मामलों लंबित थे। मामलों के विशाल अंबार और मौजूदा प्रशासनिक ढांचे की सीमाओं को देखते हुए बदलाव होगा।

संपादकीय

लापरवाही पर बड़ा एक्शन

नगरिकों से जुड़े कार्यों एवं जनता की बुनियादी आवश्यकताओं को पूर्ण करने में लापरवाही बरतने वाले अफसर सरकार के निशाने पर हैं। उत्तराखंड की धामी सरकार ने पेयजल विभाग नैनीताल के 6 इंजीनियर को दूषित जल की आपूर्ति एवं जन समस्या का निराकरण न करने पर निलंबित कर दिया है। दबी सरकार की इस कार्रवाई को गुड गवर्नंस के तौर पर देखा जा रहा है और निश्चित तौर पर इस कार्रवाई के बाद जन सेवाओं से जुड़े अधिकारियों एवं कर्मचारी के कान खड़े जरूर होंगे।

लोकतांत्रिक व्यवस्था में सरकार का सबसे बड़ा दायित्व जनता के हितों की रक्षा करना और उन्हें बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराना होता है। सड़क, स्वास्थ्य, शिक्षा, पेयजल, विद्युत आपूर्ति और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्र सीधे तौर पर आम नागरिकों के जीवन से जुड़े होते हैं। ऐसे में यदि इन क्षेत्रों में लापरवाही बरती जाती है तो उसका असर केवल किसी एक व्यक्ति पर नहीं, बल्कि पूरे समाज पर पड़ता है। यही कारण है कि जनहित से जुड़े कार्यों में लापरवाही को लेकर उत्तराखंड की धामी सरकार द्वारा अपनाया गया सख्त रुख चर्चा का विषय बना हुआ है। किसी भी सरकारी योजना की सफलता उसके त्रिमान्वयन पर निर्भर करती है। यदि योजनाएं कागजों तक सीमित रह जाएं या जिम्मेदार अधिकारी और कर्मचारी अपने दायित्वों का ईमानदारी से निर्वहन न करें, तो जनता का विश्वास कमजोर पड़ने लगता है। समय पर सड़क निर्माण न होना, पेयजल योजनाओं में देरी या दूषित जलापूर्ति, स्वास्थ्य सेवाओं में कमी या आपदा के समय राहत कार्यों में सुस्ती जैसी स्थितियां आम लोगों की परेशानी बढ़ाती हैं। ऐसे मामलों में जवाबदेही तय करना सुशासन की पहली शर्त है।

धामी सरकार ने विभिन्न अवसरों पर यह संकेत देने का प्रयास किया है कि जनहित के मामलों में लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी।अधिकारियों को समयबद्ध तरीके से कार्य पूरा करने, शिकायतों का त्वरित निस्तारण करने और विकास योजनाओं की नियमित निगरानी करने के निर्देश दिए जाते रहे हैं। कई मामलों में कार्रवाई और जवाबदेही तय करने की पहल ने यह संदेश दिया है कि जनता की समस्याओं को नजरअंदाज करना अब आसान नहीं होगा। हालांकि केवल कार्रवाई कर देना ही समाधान नहीं है। आवश्यकता इस बात की भी है कि प्रशासनिक व्यवस्था को अधिक सक्षम और संवेदनशील बनाया जाए। कई बार संसाधनों की कमी, भौगोलिक चुनौतियां और कर्मचारियों पर बढ़ता कार्यभार भी कार्यों में देरी का कारण बनते हैं। इसलिए सरकार को सख्ती के साथ-साथ व्यवस्था को मजबूत करने की दिशा में भी निरंतर प्रयास करने होंगे।

उत्तराखंड जैसे पर्वतीय राज्य में जनहित से जुड़े कार्यों का महत्व और भी बढ़ जाता है। बरसात के मौसम में सड़कों बंद होना, भूस्खलन, पेयजल संकट या दूरस्थ क्षेत्रों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने जैसी चुनौतियां प्रशासन की तत्परता की परीक्षा लेती हैं। ऐसे समय में छोटी-सी लापरवाही भी बड़े संकट का रूप ले सकती है। इसलिए जिम्मेदार अधिकारियों और कर्मचारियों का सजग रहना आवश्यक है। जब किसी शिकायत का समय पर समाधान होता है, जब विकास कार्य तय समय सीमा में पूरे होते हैं और जब लापरवाही पर कार्रवाई होती है, तब शासन के प्रति लोगों का विश्वास बढ़ता है। यही विश्वास लोकतंत्र की सबसे बड़ी ताकत है। जल सुविधाओं से संबंधित सेवाओं में यदि जवाबदेही और पारदर्शिता को निरंतर मजबूत किया जाता है, तो इससे न केवल सरकारी व्यवस्था की कार्यक्षमता बढ़ेगी, बल्कि आम नागरिक को भी बेहतर सेवाएं मिल सकेंगी। धामी सरकार की सख्ती का वास्तविक मूल्यांकन इसी आधार पर होगा कि इसका लाभ जनता को कितनी तेजी और प्रभावी रूप से मिलता है।



सौरभ वर्णाय

भारत में डेंगू लंबे समय से एक गंभीर सार्वजनिक स्वास्थ्य चुनौती बना हुआ है। हर वर्ष देश के अलग-अलग हिस्सों में डेंगू के मामले सामने आते हैं और कई लोगों की जान भी चली जाती है। बदलते मौसम, शहरीकरण, जलभराव और मच्छरों के प्रजनन के अनुकूल परिस्थितियों के कारण डेंगू का दायरा लगातार चिंता का विषय बना हुआ है। वहीं इसका आतंक बड़े बड़े शहरों में अधिक है, ऐसे समय में डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में उपलब्ध होने की खबर निश्चित रूप से उम्मीद जगाती है। यदि सब कुछ तय प्रक्रिया के अनुसार आगे बढ़ता है तो देश में पहली डेंगू वैक्सीन के रूप में टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स की क्यूडेंगा आने वाले वर्षों में लोगों के लिए उपलब्ध हो सकती है।

जापानी कंपनी टेकेडा फार्मास्यूटिकल्स और हैदराबाद स्थित डॉ. रेड्डीज लैबोरेटरीज के बीच हुआ समझौता इस दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। समझौते के तहत डॉ. रेड्डीज भारत के निजी बाजार में टेकेडा की क्यूडेंगा वैक्सीन के प्रमोशन और वितरण की जिम्मेदारी निभाएगी। कंपनियों के अनुसार, वैक्सीन को 2027 की पहली छमाही में भारत में लॉन्च किए जाने की संभावना



मनोज कुमार अग्रवाल

कहते हैं कि जब भगवान की लाठी पड़ती है तो आवाज तक नहीं आती। कुछ ऐसा ही नोएडा के चर्चित निठारी कांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली के मामले में देखने को मिल रहा है। 2006 में निठारी कांड देश के अपराधिक मामलों में सबसे अधिक क्रूरता पाशविकता भरी दर्जनों गुमसुय बच्चों और किशोरों के अपहरण और नृशंस हत्या से जुड़ा सीरियल किलिंग का मामला था जिसने पूरे देश को झकझोर कर रख दिया था। बच्चों के रहस्यमय ढंग से गायब होने, उनके साथ हुई हैवानियत और फिर नाले से मिले मासूम बच्चों के अंगों और कंकालों की तस्वीरों ने हर संवेदनशील मन को कपकैपा दिया था। अब 18 सितंबर 26 को इस मामले के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली की हरिद्वार में हुई संदिग्ध परिस्थिति में मौत ने उस खौफनाक सीरियल किलिंग कांड के अंतिम पन्ने पर एक ऐसा पूर्णविराम लगा दिया है, जो बता रहा है कि सरकारी अदालतों से इतर भी कोई अदालत है जो दैर सवेर इंसाफ करती है यह बताता है कि गरीब मजलूम असमर्थ और धन सत्ता की ताकत से रीते लोगों की आहों में भी एक ऐसी ताकत होती है जिसे खुद सबसे बड़ी भगवान या सर्वशक्तिमान की अदालत सुनती है और अपने ढंग से न्याय करती है।

आपको बता दें कि 18 सितंबर 2026 को भारत के सबसे चर्चित निठारी हत्याकांड के मुख्य आरोपी सुरेंद्र कोली का यश हरिद्वार में उसके चाय के खोखे में लटका हुआ मिला, जिसके बाद पुलिस ने शुरूआती तौर पर इसे आत्महत्या का मामला माना है। दो दशक तक चले इस बेहद खौफनाक और जटिल कानूनी मामले का अंत इस तरह एक रहस्यमयी मोड़ पर आकर हुआ है सुरेंद्र कोली के अंतिम अंजाम और

भारत में डेंगू वैक्सीन की दस्तक: बीमारी के खिलाफ नई उम्मीद

है। हालांकि, इसके लिए आवश्यक स्थानीय नियामकीय और व्यावसायिक प्रक्रियाओं को पूरा करना अभी बाकी है। डेंगू के खिलाफ वैक्सीन का भारत में प्रवेश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि अब तक इस बीमारी से बचाव का मुख्य आधार मच्छरों की रोकथाम, साफ-सफाई और संक्रमित व्यक्ति की समय पर चिकित्सकीय देखभाल ही रहा है। डेंगू के लिए कोई ऐसी व्यापक रूप से उपलब्ध दवा नहीं है जो संक्रमण को सीधे खत्म कर सके। ऐसे में रोकथाम के लिए वैक्सीन की उपलब्धता सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यवस्था में एक नया विकल्प जोड़ सकती है।

हालांकि, किसी भी नई वैक्सीन को लेकर उत्साह के साथ-साथ कुछ बुनियादी सवालों पर गंभीरता से विचार करना भी जरूरी है। सबसे पहला सवाल इसकी कीमत का है। फिलहाल क्यूडेंगा की भारत में कीमत को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी सामने नहीं आई है। टेकेडा के इंटरकॉन्टिनेंटल मार्केट्स के प्रमुख महेंद्र नायक के अनुसार, भारत में मार्केटिंग ऑथराइजेशन की मंजूरी मिलने के बाद अभी स्थानीय प्रक्रियाओं को पूरा करना प्राथमिकता है। इन प्रक्रियाओं के पूरा होने से पहले वैक्सीन की कीमत का अनुमान लगाना जटिलबाजी होगी।

कीमत का सवाल इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि डेंगू केवल महानगरों या संपन्न वर्ग की समस्या नहीं है। इसका प्रभाव छोटे शहरों, कस्बों और ग्रामीण क्षेत्रों तक दिखाई देता है। यदि वैक्सीन निजी बाजार में आती है और इसकी कीमत आम परिवारों की पहुंच से बाहर रहती है, तो इसका लाभ सीमित आबादी तक ही सिमट सकता है। इसलिए वैक्सीन की उपलब्धता जितनी महत्वपूर्ण है, उतनी ही महत्वपूर्ण उसकी सामर्थ्य भी है। यहाँ सरकार की भूमिका भी महत्वपूर्ण हो जाती है। कंपनियों ने संकेत दिया है कि क्यूडेंगा को भारत के

सार्वजनिक टीकाकरण कार्यक्रम में शामिल करना एक दीर्घकालिक लक्ष्य है। निजी बाजार में वैक्सीन की उपलब्धता शुरूआती चरण हो सकती है, लेकिन व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य प्रभाव तभी संभव होगा जब जरूरत और वैज्ञानिक साक्ष्यों के आधार पर इसे सरकारी टीकाकरण व्यवस्था में शामिल करने पर विचार किया जाए।

किसी वैक्सीन को सार्वजनिक कार्यक्रम का हिस्सा बनाने का निर्णय केवल उसकी उपलब्धता के आधार पर नहीं होता। इसके लिए बीमारी का बोझ, वैक्सीन की प्रभावशीलता, सुरक्षा, अलग-अलग आयु समूहों में उसका प्रदर्शन, लागत-प्रभावशीलता और स्वास्थ्य व्यवस्था पर संभावित प्रभाव जैसे अनेक पहलुओं का मूल्यांकन आवश्यक होता है। भारत जैसे विशाल और विविध आबादी वाले देश में यह प्रक्रिया और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्यूडेंगा की भारत में उपलब्धता का एक दूसरा महत्वपूर्ण पहलू जागरूकता से जुड़ा है। डेंगू को लेकर समाज में अभी भी कई भ्रांतियां मौजूद हैं। कई बार लोग बुखार को सामान्य वायरल संक्रमण समझकर इलाज में देरी करते हैं। वहीं कुछ लोग डेंगू की रोकथाम को केवल मच्छर भगाने तक सीमित मानते हैं। वास्तव में डेंगू नियंत्रण के लिए व्यक्तिगत सावधानी, मच्छर नियंत्रण, स्वच्छता, समय पर जांच और चिकित्सकीय सलाह-संर्षी की जरूरत होती है। वैक्सीन के आने के साथ यह सुनिश्चित करना भी जरूरी होगा कि लोग इसे डेंगू से बचाव की एक अतिरिक्त रणनीति के रूप में समझें, न कि अन्य सावधानियों के विकल्प के रूप में।

डॉ. रेड्डीज और टेकेडा के बीच सहयोग का उद्देश्य केवल वैक्सीन का वितरण नहीं है। कंपनियों के अनुसार, इसके तहत डेंगू के बारे में जागरूकता बढ़ाने और स्वास्थ्य पेशेवरों के साथ जुड़ाव को भी महत्व

दिया जाएगा। यह पहल इसलिए उपयोगी हो सकती है क्योंकि वैक्सीन से जुड़े निर्णय में डॉक्टरों की भूमिका महत्वपूर्ण होगी। योग्य लोगों को वैक्सीन की जरूरत, संभावित लाभ और सीमाओं के बारे में सही जानकारी चिकित्सकीय परामर्श के माध्यम से ही मिलनी चाहिए। भारत में पहली डेंगू वैक्सीन के आने की संभावित खबर को इसलिए एक शुरूआत के रूप में देखा जाना चाहिए, अंतिम समाधान के रूप में नहीं। डेंगू की चुनौती केवल वैक्सीन से खत्म नहीं होगी। मच्छरों के प्रजनन स्थलों को समाप्त करना, जलभराव रोकना, साफ-सफाई बनाए रखना, समय पर बीमारी की पहचान करना और अस्पतालों में उचित उपचार की व्यवस्था करना भी उतना ही आवश्यक रहेगा।

सबसे बड़ी उम्मीद यह है कि वैक्सीन डेंगू से निपटने की मौजूदा रणनीति को मजबूत कर सकती है। लेकिन इसके साथ यह सावधानी भी जरूरी है कि वैज्ञानिक प्रमाण, नियामकीय मानक और सार्वजनिक स्वास्थ्य की जरूरतें व्यावसायिक हितों से ऊपर रहें। कीमत, उपलब्धता और लक्षित आबादी जैसे मुद्दों पर पारदर्शिता भी महत्वपूर्ण होगी। भारत में डेंगू का बोझ देखते हुए क्यूडेंगा की संभावित लॉन्चिंग निश्चित रूप से एक महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। 2027 की पहली छमाही में इसके संभावित लॉन्च से पहले अभी कई औपचारिक प्रक्रियाएं पूरी होंगी हैं। इसलिए फिलहाल इसे डेंगू के खिलाफ लड़ाई में एक संभावित नए हथियार के रूप में देखना अधिक उचित होगा। आखिरकार, किसी वैक्सीन की सफलता केवल इस बात से तय नहीं होती कि वह बाजार में उपलब्ध हो गई है। असली कसौटी यह होगी कि वह कितने लोगों तक पहुंचती है, कितनी सुरक्षित और प्रभावी साबित होती है, उसकी कीमत कितनी वहनीय होती है और क्या वह देश की व्यापक सार्वजनिक स्वास्थ्य नीति का हिस्सा बन पाती है।

भारतीय न्यायिक प्रक्रिया पर बदनुमा दाग है निठारी कांड

में कोली का कबूलनामा दर्ज किया। कोली ने हत्या की घटनाओं के बारे में बहुत विस्तार से बताया। उसने कहा कि वह पीड़ितों को बहला-फुसलाकर कोली के अंदर लाता था, उनका गला घोटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था। नोएडा पुलिस ने 19 अलग-अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पेंडर और कोली के खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इंसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थीं।क विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पेंडर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पेंडर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा।इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला लेने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उफ़्रकटने में बदल दिया।अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पेंडर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पेंडर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई।

इस स्थिति में एक कानूनी विरोधाभास पैदा हो गया था। कोली 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं। शीर्ष अदालत ने माना कि यह प्रक्रियागत और संरचनात्मक खामियों का मामला था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2011 के फैसले को वापस लेते हुए कोली को अंतिम मामले में भी सभी आरोपों से बरी कर तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था।

निठारी कांड के पीड़ित परिवारों ने जिस तरह सुरेंद्र कोली की मौत पर कहा है कि वह भारतीय न्यायालय से बरी हुआ पर भगवान को बला-फुसलाकर कोली के अंदर लाता था, उनका गला घोटता था और फिर उनके शरीर के टुकड़े कर उन्हें पकाकर खाता था। नोएडा पुलिस ने 19 अलग-अलग लड़कियों से जुड़े अपराधों के मामले में पेंडर और कोली के खिलाफ 19 प्राथमिकियां दर्ज की थीं। इनमें से 16 मामलों में सीबीआई ने आरोपपत्र दाखिल किए। 2007 में इनमें से एक मामले में दाखिल आरोपपत्र में सीबीआई ने दावा किया था कि कोली में मृत शरीरों के प्रति यौन आकर्षण और इंसानी मांस खाने जैसी प्रवृत्तियां थीं।क विशेष सीबीआई अदालत ने 13 फरवरी 2009 को एक 14 साल की लड़की से बलात्कार और हत्या के मामले में पहली बार कोली और पेंडर दोनों को दोषी ठहराया और मौत की सजा सुनाई। अपील पर इलाहाबाद हाई कोर्ट ने पेंडर को बरी कर दिया, लेकिन कोली की मौत की सजा को बरकरार रखा।इसके बाद कोली ने सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। सुप्रीम कोर्ट ने 2011 में उसकी अपील और 2014 में पुनर्विचार याचिका खारिज कर दी। लेकिन जनवरी 2015 में इलाहाबाद हाई कोर्ट ने दया याचिका पर फैसला लेने में हुई अत्यधिक देरी को आधार बनाते हुए कोली की मौत की सजा को उफ़्रकटने में बदल दिया।अक्टूबर 2023 में इलाहाबाद हाईकोर्ट ने सबूतों की कमी, प्रक्रियागत खामियों और प्रताड़ना के आरोपों को देखते हुए कोली को 12 मामलों में और पेंडर को 2 मामलों में बरी कर दिया। पेंडर अक्टूबर 2023 में जेल से बाहर आ गया, जबकि कोली की रिहाई नवंबर 2025 में हुई।

इस स्थिति में एक कानूनी विरोधाभास पैदा हो गया था। कोली 12 मामलों में बरी हो चुका था, लेकिन लगभग उन्हीं सबूतों के आधार पर एक मामले में अब भी दोषी था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे न्याय का बड़ा विरोधाभास माना और अपनी क्यूरेटिव शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए कहा कि समान सबूतों पर दो परस्पर विरोधी फैसले एक साथ नहीं रह सकते हैं। शीर्ष अदालत ने माना कि यह प्रक्रियागत और संरचनात्मक खामियों का मामला था। इसके बाद सुप्रीम कोर्ट ने अपने 2011 के फैसले को वापस लेते हुए कोली को अंतिम मामले में भी सभी आरोपों से बरी कर तुरंत रिहा करने का आदेश दिया था।

इस बार भी मोदी नहीं जाएंगे संयुक्त राष्ट्र महासभा, जयशंकर ही संभालेंगे मोर्चा, क्या ट्रंप से आमना-सामना नहीं चाहते पीएम?



नीरज कुमार दुबे

जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत-अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कानून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर संप्रतिशत दर शुल्क लगाने की शक्ति देता है। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता अपने लगभग एक अरब चालीस करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है और वह

न्यू यॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 21वें सत्र की शुरूआत के साथ ही भारत की कूटनीतिक सक्रियता तेज हो गई है। इस बार भी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की जगह विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। जयशंकर 26 सितंबर को महासभा को संबोधित करेंगे और इस दौरान कई देशों के नेताओं तथा विदेश मंत्रियों के साथ महत्वपूर्ण द्विपक्षीय और बहुपक्षीय बैठकें भी करेंगे। ऐसे समय में जब दुनिया युद्ध, ऊर्जा संकट, व्यापारिक टकराव और बदलते शक्ति संतुलन से जुझ रही है तब इस सत्र से काफी उम्मीदें की जा रही हैं। हम आपको बता दें कि इस सत्र में संयुक्त राष्ट्र के 193 सदस्य देशों के राष्ट्राध्यक्ष, शासनाध्यक्ष और वरिष्ठ प्रतिनिधि जुट रहे हैं। इस बार का केंद्रीय विषय है, विश्वास बहाल करना, बदलाव को संभालना और ऐसा संयुक्त राष्ट्र बनाना जो सभी के लिए परिणाम दे। महासचिव अंतोनियो गुतेरिस ने वैश्विक नेताओं से शांति, गरिमा, न्याय और मानवता के लिए अंतरराष्ट्रीय सहयोग मजबूत करने की अपील की है। यह उनके कार्यकाल का अंतिम महासभा सत्र भी है। ऐसे माहौल में भारत के सामने अपनी विदेश नीति की प्राथमिकताओं को बेहद स्पष्ट और मजबूती से रखने का अवसर है।

देखा जाये तो जयशंकर की यात्रा का महत्व इसलिए और बढ़ जाता है क्योंकि भारत-अमेरिका संबंध इस समय कई कठिन सवालों से गुजर रहे हैं। रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर अमेरिका द्वारा भारी शुल्क लगाने की व्यवस्था ने नई दिल्ली की ऊर्जा सुरक्षा और वाशिंगटन के साथ व्यापारिक संबंधों के बीच तनाव पैदा किया है। हम आपको बता दें कि अमेरिकी कानून राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को रूस से ऊर्जा खरीद जारी रखने वाले देशों पर संप्रतिशत दर शुल्क लगाने की शक्ति देता है। लेकिन भारत ने स्पष्ट किया है कि उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता अपने लगभग एक अरब चालीस करोड़ नागरिकों की ऊर्जा सुरक्षा है और वह



अलग-अलग स्रोतों से ऊर्जा की आपूर्ति जारी रखेगा। यहीं से जयशंकर की न्यूयॉर्क यात्रा का असली सामरिक महत्व सामने आता है। भारत को एक साथ रूस के साथ अपने ऊर्जा और सामरिक संबंधों, अमेरिका के साथ व्यापार और सुरक्षा साझेदारी तथा ग्लोबल साउथ की चिंताओं को साधना है। संयुक्त राष्ट्र महासभा इस संतुलन को साधने के लिए सबसे बड़ा कूटनीतिक मंच उपलब्ध कराती है। जयशंकर की दर्जनों मुलाकातों में ऊर्जा, सुरक्षा, व्यापार, विकास और ग्लोबल साउथ के मुद्दे स्वाभाविक रूप से प्रमुख रहेंगे।

इसके अलावा, भारत के लिए इस महासभा का एक अहम उद्देश्य 2028 से शुरू होने वाले दो वर्षीय कार्यकाल के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की सदस्यता हासिल करने

के समर्थन में विभिन्न देशों को साथ लाना भी है। इसके लिए जयशंकर अलग-अलग देशों के प्रतिनिधियों के सामने भारत का छह सूत्रीय घोषणापत्र रखेंगे और सुरक्षा परिषद में भारत की प्राथमिकताओं को स्पष्ट करेंगे। साथ ही, ग्लोबल साउथ के देशों के विकास में भारत की भूमिका, आर्थिक एवं मानवीय सहयता तथा संयुक्त राष्ट्र और अन्य बहुपक्षीय संस्थाओं के माध्यम से चलाए जा रहे कार्यक्रमों पर भी चर्चा होगी। पिछले वर्ष महासभा के दौरान जयशंकर ने 47 द्विपक्षीय और 10 बहुपक्षीय बैठकों की थीं। इससे अंदाजा लगाया जा सकता है कि इस बार भी भारत की कूटनीतिक गतिविधियां कितनी व्यापक रहने वाली हैं।

उधर, कूटनीतिक हलकों में संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को गैरमौजूदगी को लेकर

सवाल उठ रहा है। उल्लेखनीय है कि 2014 में प्रधानमंत्री बनने के बाद मोदी ने संयुक्त राष्ट्र महासभा के वार्षिक सत्र को चार बार यानि 2014, 2019, 2020 और 2021 में संबोधित किया। 2020 में महामारी के कारण उनका संबोधन पहले से रिकॉर्ड वीडियो के माध्यम से हुआ था। प्रधानमंत्री मोदी के तीसरे कार्यकाल को देखते तो स्थिति और भी स्पष्ट है। 2024 में मोदी न्यूयॉर्क गए और भविष्य के शिखर सम्मेलन को संबोधित किया, लेकिन महासभा की सामान्य बहस में भारत का राष्ट्रीय वक्तव्य विदेश मंत्री जयशंकर ने दिया। 2025 में भी सामान्य बहस में भारत का प्रतिनिधित्व जयशंकर ने किया और अब 2026 में भी भारत की कमान विदेश मंत्री के हाथ में है। इस तरह तीसरे कार्यकाल में अब तक मोदी ने महासभा की सामान्य उच्चस्तरीय बहस को अब तक संबोधित नहीं किया है। सवाल उठ रहा है कि क्या मोदी अमेरिका इसलिए नहीं जा रहे ताकि ट्रंप से मुलाकात से बच सकें? देखा जाये तो भारत-अमेरिका संबंधों में तनाव जरूर है और रूसी तेल तथा अमेरिकी शुल्क का विवाद गंभीर है, लेकिन प्रधानमंत्री मोदी और ट्रंप को जून 2026 में फ्रांस में हुई मुलाकात में दोनों नेताओं ने व्यापार, ऊर्जा, रक्षा और प्रौद्योगिकी सहयोग आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता दोहराई थी। इसलिए केवल संयुक्त राष्ट्र महासभा में मोदी की गैरमौजूदगी को ट्रंप से मुलाकात से बचने की रणनीति के रूप में देखा जाना गलत होगा।

बहरहाल, न्यूयॉर्क में जयशंकर का संबोधन केवल संयुक्त राष्ट्र में भारत का भाषण नहीं होगा। यह संदेश देने का अवसर होगा कि भारत दुनिया के बीच अपनी ऊर्जा सुरक्षा, सामरिक स्वायत्तता, ग्लोबल साउथ की आवाज और सुरक्षा परिषद में बड़ी भूमिका, इन चारों लक्ष्यों को एक साथ आगे बढ़ाना चाहता है। महासभा के मंच से भारत की कूटनीति की धार इसी संतुलन और दृढ़ता से दिखाई देगी।

जंगल से सटे मार्गों पर हाथी की धमक, बरते सावधानी



ग्रास्टनगंज क्षेत्र में पहुंचे हाथी

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : यदि आप जंगल से सटे मार्गों पर आवागमन कर रहे हैं तो जरा सावधान हो जाएं। दरअसल, इन दिनों हाथी सहित अन्य वन्य जीव जंगल के बाहरी खुले हिस्सों में नजर आ रहे हैं। हालांकि, लैंसडौन वन प्रभाग की ओर से क्षेत्र में

सरकारी भूमि एवं परिसंपत्तियों की नियमित मॉनिटरिंग कर अतिक्रमण पर कार्रवाई करें



जिलाधिकारी गौरव कुमार बैठक में अधिकारियों को निर्देश देते हुए।

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जिला सभागार गोपेश्वर में उत्तराखंड गवर्नमेंट एसेट्स मैनेजमेंट सिस्टम की समीक्षा बैठक लेते हुए अधिकारियों को जिले में सरकारी भूमि एवं अन्य सरकारी परिसंपत्तियों की प्रभावी निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि एवं परिसंपत्तियां जगहों से जुड़ी महत्वपूर्ण परिसंपत्तियां हैं, इसलिए इनके संरक्षण एवं अतिक्रमण की रोकथाम के

हाथियों व अन्य वन्य जीवों पर नजर रखने के लिए क्यूआरटी टीकों का गठन किया गया है।

गढ़वाल के प्रवेश द्वार कोटद्वार का अधिकांश भाग जंगल से सटा हुआ है। यही कारण है कि जंगल से सटे मार्गों पर आए दिन जंगली जानवरों की धमक बनी रहती है। लेकिन, कुछ माह से मार्गों पर हाथियों की धमक अधिक दिखाई दे रही है।

दरअसल, वर्षाकाल के दौरान जंगल में मच्छर व कीड़े हाथियों को परेशान करते हैं। ऐसे में वह राहत के लिए खुले स्थानों को खोजते हैं। जंगल से सटे मार्गों पर हाथियों की चहलकदमी के दौरान वाहनों के शोर और तेज हार्न से वह परेशान हो रहे हैं।

इससे कई बार हाथी आक्रामक होकर राहगीरों और वाहन चालकों का पीछा करने लगते हैं, जिससे दुर्घटना और मानव-वन्यजीव संघर्ष का खतरा बढ़ गया है। एक सप्ताह पूर्व हाथियों ने कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग पर कुछ दोपहिया वाहनों को क्षतिग्रस्त कर दिया था। मौके पर मौजूद लोगों ने भाग कर अपनी जान बचाई।

करीब एक माह पूर्व हाथियों ने सिद्धबली के समीप राष्ट्रीय राजमार्ग पर भी खूब तोड़व मचाया। हाथियों ने एक ट्रैप ट्रेवल वाहन सहित चार अन्य वाहनों को नुकसान पहुंचाया था। वहीं, इन दिनों हाथियों द्वारा

लोगों को दौड़ने की घटनाएं भी लगातार बढ़ गई है। ऐसे में आवश्यकता है कि आमजन आवागमन में विशेष सावधानी बरते।

ग्रास्टनगंज में पहुंचा हाथियों का झुंड

ग्रास्टनगंज क्षेत्र में इन दिनों लगातार हाथियों की धमक बढ़ रही है। रविवार रात करीब दस बजे ग्रास्टनगंज में हाथी धमक गए थे। इसके कारण लोगों में दहशत बनी हुई थी। देर रात सूचना के बाद मौके पर पहुंची वन विभाग की टीम ने हाथियों को वापस जंगल में खदेड़ा।

इन मार्गों पर बढ़ा वन्य जीवों का खतरा

लैंसडौन वन प्रभाग क्षेत्र के अंतर्गत कोटद्वार-पुलिंडा मार्ग, कोटद्वार-दुगड्डा राष्ट्रीय राजमार्ग, ध्रुवपुर-कण्वाश्रम मार्ग, सिद्धबली-सनेह मार्ग, कांडिया-मोटाढांग मार्ग पर हाथियों की सबसे अधिक धमक बनी हुई है। पांच दिन पूर्व हाथी बीईएल के समीप आवादी क्षेत्र तक पहुंच गया था। जंगल से सटे मार्गों पर कब किस मोड़ पर हाथी टकरा जाएं कुछ कहा नहीं जा सकता।

वर्षाकाल के दौरान जंगलों से सटे मार्गों पर झाड़ियां भी बढ़ चुकी हैं। जिससे मार्ग के आगे की स्थिति का पता नहीं चल पाता। ऐसे में खतरा और अधिक बढ़ गया है।

राहुल गांधी के विरोध में भाजपा कार्यकर्ताओं ने फूंका पुतला

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : इंदौर में कांग्रेस के कार्यक्रम के दौरान नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी द्वारा राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल को लेकर की गई कथित टिप्पणी पर भारतीय जनता पार्टी ने रोष व्यक्त किया है। इस दौरान कार्यकर्ताओं व पदाधिकारियों ने राहुल गांधी का पुतला दहन किया।

भाजपा जिला कार्यालय में एकत्रित कार्यकर्ता हिन्दू पंचायती धर्मशाला पहुंचे। यहां से जुलूस की शकल में नारेबाजी करते हुए झंडाचोक पहुंचे। कार्यकर्ताओं ने झंडाचोक पर राहुल गांधी का पुतला दहन किया। भाजपा जिलाध्यक्ष राज गौरव नौटियाल ने कहा कि अजीत डोभाल देश की सुरक्षा व्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले और कीर्ति चक्र से सम्मानित उत्तराखंड के वीर संपुत हैं। उनके संबंध में की गई कथित टिप्पणी से उत्तराखंड की भावनाएं आहत हुई हैं। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े विषयों पर सार्वजनिक जीवन में मर्यादा और जिम्मेदारी का पालन



कोटद्वार में राहुल गांधी का पुतला दहन करते कांग्रेसी

किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की दिवंगत माता और एक बुजुर्ग महिला से संबंधित कथित उपहासजनक प्रस्तुति भी आपत्तिजनक है। भारतीय संस्कृति में

मातृशक्ति और बुजुर्गों के सम्मान को विशेष महत्व दिया गया है। राजनीतिक विरोध के नाम पर किसी महिला या वरिष्ठ नागरिक के सम्मान को ठेस नहीं पहुंचनी चाहिए। नौटियाल ने कहा कि उत्तराखंड

अपने सैनिकों और राष्ट्रसेवा में समर्पित व्यक्तित्वों के सम्मान के लिए जाना जाता है। अजीत डोभाल जैसे व्यक्तित्वों के संबंध में टिप्पणी को लेकर प्रदेश की जनता की भावनाओं का सम्मान किया जाना चाहिए। इस दौरान जिला महामंत्री सुरेंद्र सिंह आर्य, जिला उपाध्यक्ष मोहन सिंह नेगी व विजयानंद पोखरियाल, प्रदेश सह आइटी संयोजक यमन डबरवाल, जिला मंत्री विकास दीप मितल, जिला व्यापार संयोजक राजदीप माहेश्वरी, प्रमोद बंसल, मनोष भट्ट, मनमोहन सिंह, गोपाल कुक्रेती, भाबर मंडल अध्यक्ष आशीष रावत, मनमोहन द्विवेदी, संग्राम सिंह भंडारी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष शशीबाला केस्टवाल, यशोदा नेगी, आरती केस्टवाल, निशा

जुवाल, आशीष रैतेला, अश्वयुज कुंज अग्रवाल, मनमोहन सिंह और सुरेंद्र सिंह रावत सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

संक्षिप्त समाचार

प्रबंधन समिति के चुनाव स्थगित करने की मांग

जयन्त प्रतिनिधि। पौड़ी : विकासखंड खिस् की जनता इंटर कॉलेज ढामकेश्वर में प्रबंधन समिति के गठन व चुनाव की प्रक्रिया पर जनप्रतिनिधियों ने सवाल खड़े किए हैं। उन्होंने जिलाधिकारी को दस सूत्री मांगों का ज्ञापन सौंपकर पूरे मामले की जांच और चुनाव प्रक्रिया को जल्द स्थगित करने की मांग की है।

जिलाधिकारी को दिए ज्ञापन में क्षेत्र पंचायत सदस्य चमराड़ा सुरजीत सिंह विष्ट ने बताया कि प्रबंधन समिति ने चुनाव प्रक्रिया के लिए बीते सात सितंबर को विज्ञापित जारी की थी, लेकिन इसमें शिकायत मिल रही है कि विद्यालय परिसर व आसपास के क्षेत्र में बड़ी संख्या में ऐसे लोग पहुंच रहे हैं जिनको विद्यालय या क्षेत्र के बारे में कोई जानकारी ही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के साथ-साथ उत्तर प्रदेश से भी लोग सदस्यता व चुनाव प्रक्रिया में शामिल होने का प्रयास कर रहे हैं। यहां तक कि विद्यालय प्रबंधन को पुलिस तैनात कर सदस्यता फॉर्म की प्रक्रिया करनी पड़ रही है। उन्होंने जिलाधिकारी से पूर्व प्रबंधन समिति के संबंध में शिकायतों की जांच करने, सदस्यता सूची सार्वजनिक करने, अपात्रों की सदस्यता निरस्त करने की मांग की है।

कालेश्वर मंदिर भूमि

विवाद: अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को

जयन्त प्रतिनिधि। लैंसडौन : कालेश्वर मंदिर परिसर की भूमि के स्वामित्व को लेकर गढ़वाल राइफलस और कालेश्वर मंदिर समिति के बीच चल रहे विवाद में अब अगली सुनवाई 7 अक्टूबर को होगी। मामले को लेकर क्षेत्रवासियों की निगाहें न्यायालय के फैसले पर टिकी हैं।

न्यायालय में पिछली सुनवाई के दौरान गढ़वाल राइफलस की ओर से अधिवक्ता पवन बंसल ने अपना पक्ष रखते हुए संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए थे। वहीं मंदिर समिति ने भी भूमि पर अपने ऐतिहासिक और धार्मिक अधिकारों को लेकर तर्क दिए। मामले में अब गढ़वाल राइफलस लैंसडौन के अधिवक्ता पवन बंसल ने न्यायालय में केस को खारिज करने के लिए आवेदन दायर किया है। इस पर अदालत में 7 अक्टूबर को सुनवाई होगी और आगे की कानूनी प्रक्रिया पर महत्वपूर्ण निर्णय संभावित है। कालेश्वर मंदिर लैंसडौन की धार्मिक और ऐतिहासिक पहचान का प्रतीक है। भूमि विवाद लंबे समय से क्षेत्र में चर्चा का विषय बना हुआ है। न्यायालय ने मामले की अगली तारीख 7 अक्टूबर निर्धारित की है।

धरना जारी रखने पर अड़े

पैरामेडिकल इंटर्न छात्र

श्रीनगर गढ़वाल : स्टार्पेंड की मांग को लेकर आंदोलित पैरामेडिकल इंटर्न छात्रों का धरना आंदोलन छठे दिन भी जारी रहा। इस दौरान पैरामेडिकल प्रभारी ने आंदोलित छात्रों से बात की, लेकिन छात्र नहीं माने और आंदोलन जारी रखने पर अड़े रहे। छात्रों का कहना है कि जब तक मांग नहीं मानी जाती आंदोलन जारी रहेगा। दूसरी ओर मेडिकल कालेज के प्राचार्य डॉ. सीएमएस रावत का कहना है कि आंदोलित छात्रों की मांग के संबंध में प्रस्ताव निदेशालय को भेजा गया है। जितने दिन आंदोलन करेंगे उतना इंटरशिप देर से होगी। यदि इंटर्न के अलावा कोई छात्र इस आंदोलन में शामिल पाया गया तो उसके खिलाफ अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। (एजेंसी)

वन्यजीवों के बढ़ते हमलों से गुस्साए ग्रामीण, उक्रांद ने किया प्रदर्शन



रिखणीखाल तहसील में अधिकारियों के माध्यम से जिलाधिकारी व मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजते उक्रांद कार्यकर्ता व पदाधिकारी।

जयन्त प्रतिनिधि। कोटद्वार : क्षेत्र में लगातार बढ़ रहे वन्यजीवों के हमलों और पानी के बढ़ते बिलों समेत विभिन्न समस्याओं को लेकर

उत्तराखंड क्रांति दल (उक्रांद) ने सरकार के खिलाफ प्रदर्शन किया। उक्रांद नेता मुकेश विष्ट के नेतृत्व में ग्रामीणों ने रिखणीखाल बाजार में

आक्रोश रैली निकाली और तहसील परिसर पहुंचकर समस्याओं के समाधान की मांग की। इस दौरान सरकार के खिलाफ नारेबाजी भी की गई।

प्रदर्शन के बाद तहसीलदार के माध्यम से जिलाधिकारी और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा गया। मुकेश विष्ट ने कहा कि पहाड़ के गांवों में वन्यजीवों की बढ़ती सक्रियता ग्रामीणों के लिए चिंता का कारण बनती जा रही है। गुलदारा, बाघ और भालू के हमलों से लोगों में भय का माहौल है। वहीं, जंगली जानवरों द्वारा मवेशियों को मारने से पशुपालकों को आर्थिक नुकसान उठाना पड़ रहा है। उन्होंने

कहा कि रिखणीखाल क्षेत्र में वन्यजीवों की समस्या लगातार गंभीर होती जा रही है। ग्रामीणों की सुरक्षा के लिए वन विभाग और प्रशासन को

प्रभावी कदम उठाने चाहिए। साथ ही वन्यजीवों के हमलों में प्रभावित परिवारों को समय पर उचित मुआवजा देने की मांग भी उठाई गई।

बढ़ते पानी के बिलों पर भी जताया रोष

प्रदर्शनकारियों ने क्षेत्र में पानी के बिलों में हो रही वृद्धि पर भी नाराजगी जताई। उक्रांद नेताओं ने कहा कि पहाड़ी क्षेत्रों के प्राकृतिक जलस्रोत स्थानीय लोगों की महत्वपूर्ण धरोहर हैं। ऐसे में ग्रामीणों पर अनावश्यक आर्थिक बोझ नहीं डाला जाना चाहिए। उक्रांद ने जल, जंगल और जमीन से जुड़े स्थानीय अधिकारों की रक्षा के साथ वन्यजीवों के हमलों पर रोक लगाने और पानी के बिलों की समस्या का समाधान करने की मांग की। चेतावनी दी कि यदि जल्द समस्याओं का निराकरण नहीं हुआ तो ग्रामीणों को साथ लेकर आंदोलन को तेज किया जाएगा।

कार्यालय

सहायक अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, उपखण्ड-कोटद्वार, कौडिया नियट गैस गौदाम, कौडिया कोटद्वार।

फोन नं०- 01382-229979

::

Email Id:-reskotdwar@gmail.com

पत्रांक:- 59/सहा0अभि0/निविदा/ग्रा0नि0वि0/2026-27

::

दिनांक:- 21/09/2026

निविदा आंमत्रण सूचना

महामहिम राज्यपाल महोदय उत्तराखण्ड शासन की ओर से विभाग में निर्माण कार्य हेतु सक्षम श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्य की मोहरबन्द निविदा ग्रामीण निर्माण विभाग, उपखण्ड कोटद्वार के कार्यालय में निविदा प्रकाशन की तिथि से दिनांक 06.10.2026 को सांय 2.00 बजे तक बेची जायेंगी, जो दिनांक 07-10-2026 को 02.00 बजे तक ठेकेदारों द्वारा टेंडर बॉक्स में डालना अनिवार्य है एवं उसी दिन अपराह्न 3.00 बजे उपस्थित ठेकेदारों अथवा उनके अधिकृत प्रतिनिधियों के समक्ष अधोहस्ताक्षरी अथवा अधिकृत प्रतिनिधि की अध्यक्षता में गठित कमेटी के समक्ष इस कार्यालय में खोली जायेंगी। निर्माण कार्यो से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी/प्राक्कलन/रेखाचित्र एवं निविदाओं की शर्तें आदि कार्यालय के नोटिस बोर्ड / कार्यालय में उक्त निविदा सूचना निर्गत होने की अगली तिथि से निविदा आमन्त्रण की तिथि तक कार्यालय समय में देखी जा सकती हैं।

क्र० सं०	कार्य का नाम	निविदा का मूल्य+ जी०एस०टी० रू०	धरोहर धनराशि (03 प्रतिशत)	कार्य पूर्ण करने की अवधि।	ठेकेदारों की श्रेणी	निविदा की वैधता
1	2	3	4	5	6	7
01	रा०आ०ग्रा०वि०, बीरोंखाल वि०ख० बीरोंखाल में चाहरदीवारी मरम्मत कार्य।	500.00+ जी०एस०टी०	14500.00	3 माह	भवन में “ई एवं” उच्चतर श्रेणी	45 दिन
01	रा०ग्रा०वि० बवासा मल्ला, वि०ख० बीरोंखाल में बृहद मरम्मत कार्य।	500.00+ जी०एस०टी०	11500.00	3 माह	भवन में “ई एवं” उच्चतर श्रेणी	45 दिन

नोट- 1. निविदादाता को निविदा प्रपत्रों की लागत एवं जी०एस०टी० मूल्य का पृथक-पृथक ई-चालान के माध्यम से विभागीय लेखाशीर्षक 0515008000100 (ग्रामीण निर्माण विभाग प्रखण्ड कोटद्वार) एवं जी०एस०टी० (CGST+SGST) नम्बर 05AAALE0366M1Z7 में जमा कर ई-चालान की प्रति निविदा के साथ संलग्न करनी होगी। निविदा प्रपत्र मूल्य के ई-चालान में सम्बन्धित कार्य का नाम अंकित करना अनिवार्य होगा।

नोट- 2. उपरोक्त कार्यो की निविदा लागत राजस्व एवं जी०एस०टी० के ई-चालान टेण्डर नोटिस जारी होने की तिथि के पश्चात ही जमा/Create किये हुये मान्य होंगे। निविदा खोले जाने के अंतिम दिन ई-चालान नहीं बनने / Create की दशा में आपका कोई भी दावा मान्य नहीं होगा।

सहायक अभियन्ता, ग्रामीण निर्माण विभाग, उपखण्ड-कोटद्वार।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां विभाग की मजबूत रीढ़ : रेखा आर्या

चमोली के 9 विकासखंडों के 1078 आंगनबाड़ी केंद्रों में होगा ‘आंगन का मिलन’ कार्यक्रम

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने सोमवार को कर्णप्रयाग स्थित ब्लॉक सभागार में ‘सेवा संकल्प अभियान’ के अंतर्गत आयोजित होने वाले ‘आंगन का मिलन’ कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर समीक्षा बैठक की। बैठक में अधिकारियों ने कार्यक्रम की रूपरेखा, तैयारियों एवं व्यवस्थाओं के संबंध में मंत्री को विस्तृत जानकारी दी। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि आंगनबाड़ी कार्यकत्रियां महिला एवं बाल विकास विभाग की मजबूत रीढ़ हैं। विषम भौगोलिक परिस्थितियों और अनेक चुनौतियों के बावजूद वे पूरी निष्ठा, समर्पण एवं जिम्मेदारी के साथ अपने दायित्वों का निर्वहन कर रही हैं। उन्होंने कहा कि महिला एवं बाल विकास से जुड़ी योजनाओं एवं सेवाओं को समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों



की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है। अधिकारियों ने बताया कि जनपद चमोली के सभी 9 विकासखंडों में संचालित 1078 आंगनबाड़ी केंद्रों में ‘आंगन का मिलन’ संबंधित सभी तैयारियां एवं व्यवस्थाएं समय से

कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य आंगनबाड़ी केंद्रों से जुड़े लाभार्थियों को महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित विभिन्न योजनाओं एवं सेवाओं की जानकारी उपलब्ध कराना तथा पात्र लाभार्थियों को योजनाओं का लाभ दिलाने के लिए आ व र ष क मार्गदर्शन एवं सहयोग प्रदान करना है। कैबिनेट मंत्री ने निर्देश दिए कि कार्यक्रम से

पुर्व पूर्ण कर ली जाएं, ताकि कार्यक्रम के दौरान किसी भी प्रकार की अव्यवस्था की स्थिति उत्पन्न न हो। उन्होंने कहा कि ‘आंगन का मिलन’ प्रदेशभर में आयोजित होने वाला महत्वपूर्ण कार्यक्रम है, इसलिए इसकी तैयारियों में किसी भी स्तर पर लापरवाही न बरती जाए। उन्होंने कहा कि वर्तमान में पोषण माह भी मनाया जा रहा है। ऐसे में ‘आंगन का मिलन’ कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं तथा अन्य लाभार्थियों को पोषण एवं बाल विकास से जुड़ी सेवाओं की जानकारी देने के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के बारे में भी जागरूक किया जाए, ताकि पात्र लोगों को योजनाओं का समयबद्ध लाभ मिल सके। इस अवसर पर नगर पालिका अध्यक्ष गणेश शाह, भाजपा जिलाध्यक्ष गजपाल बत्वाल, नगर उपाध्यक्ष राकेश खंडूरी, भाजपा महामंत्री विनोद कनवासी, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी, जिला कार्यक्रम अधिकारी हिमांशु बड़ोला, बाल विकास परियोजना अधिकारी शिवि गर्ग, खंड विकास अधिकारी पवन कंडारी सहित अन्य संबंधित अधिकारी

एवं जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।
स्वच्छता प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी
कैबिनेट मंत्री श्रीमती रेखा आर्या ने नगर पालिका कर्णप्रयाग में स्वच्छता व्यवस्था को और अधिक प्रभावी एवं व्यवस्थित बनाने के लिए सफाई वाहनों को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। उन्होंने कहा कि इन वाहनों के संचालन से नगर के विभिन्न क्षेत्रों में नियमित कूड़ा उठान तथा सफाई व्यवस्था को और अधिक सुचारु बनाने में मदद मिलेगी। उन्होंने कहा कि स्वच्छता केवल नगर पालिका की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। स्वच्छ एवं स्वस्थ नगर के निर्माण के लिए जनभागीदारी को मजबूत करना आवश्यक है। उन्होंने नागरिकों से अपील की कि वे अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें, कूड़े को निर्धारित स्थान पर ही डालें तथा कर्णप्रयाग को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने में सक्रिय सहयोग प्रदान करें।

जनता मिलन में डीएम ने सुनी 20 शिकायतें



जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जिला सभागार गोपेश्वर में सोमवार को जिलाधिकारी गौरव कुमार की अध्यक्षता में जनता मिलन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में

जिले के विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे ग्रामीणों एवं आमजन ने पेयजल, आवास, शिक्षा, रोजगार, पार्किंग सहित विभिन्न समस्याओं से जिलाधिकारी को अवगत कराया। इस दौरान कुल 20 शिकायतें एवं समस्याएं प्राप्त हुईं। जिलाधिकारी ने प्रत्येक शिकायत को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को नियमानुसार त्वरित निस्तारण के निर्देश दिए।जनता मिलन में ग्राम मंडल निवासी

अधिकारी दशोली को मौके पर जाकर जांच करने तथा नियमानुसार पात्रता के आधार पर आवश्यक कार्यवाही करते हुए आवास योजना का लाभ दिलाने को कहा। देवर खंडोरा निवासी बिरेन्द्र सिंह ने जल जीवन मिशन से संबंधित पेयजल समस्या एवं ग्रामीणों के बीच उत्पन्न विवाद की शिकायत रखी। जिलाधिकारी ने उपजिलाधिकारी चमोली को मौके पर जाकर ग्रामीणों से वार्ता करते हुए पेयजल संबंधी विवाद का समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। जनता मिलन कार्यक्रम में गौणा के शिक्षा अभिभावक संघ के अध्यक्ष गजेन्द्र सिंह रावत, गोपेश्वर निवासी सरोज देवी, ग्राम प्रधान न्वाड़, गंगोलगांव निवासी बलवंत सिंह राणा, सच्चिदानंद तिवाड़ी, बंशी लाल, राजपाल, नयन सिंह कुँवर, मोहन प्रसाद सहित अन्य ग्रामीणों एवं फरियादियों ने भी अपनी समस्याएं एवं मांगें जिलाधिकारी के समक्ष रखीं। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता से प्राप्त शिकायतों का समयबद्ध एवं गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश, उपजिलाधिकारी राज कुमार पांडे, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ. अभिषेक गुप्ता सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी और जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से आए आमजन मौजूद रहे।

उपप्रधान संगठन ने उठाई प्राथमिक विद्यालयों की समस्याएं
कीर्तिनगर : कीर्तिनगर ब्लॉक के 14 से अधिक प्राथमिक विद्यालयों के जर्जर भवन, टप पेयजल आपूर्ति और बच्चों की सुरक्षा का मुद्दा उपप्रधान संगठन ने उठाया। संगठन के पदाधिकारियों ने तहसील प्रशासन को ज्ञापन सौंपकर समस्याओं के शीघ्र समाधान की मांग की। उन्होंने बतावनी दी यदि 15 दिन में कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन किया जाएगा। संगठन के संयोजक और देवप्रयाग विधानसभा क्षेत्र के समाजसेवी गणेश भट्ट ने कहा कि कई विद्यालयों के भवन वर्षों से जर्जर हैं। आधे से अधिक विद्यालयों में पेयजल आपूर्ति टप पड़ी है। कुछ विद्यालय भूस्खलन की जट में हैं, जिससे विद्यार्थियों और शिक्षकों की सुरक्षा पर खतरा बना हुआ है। संगठन के संरक्षक भानु भट्ट, उपाध्यक्ष मुकुंद नेगी, प्रधान कुलदीप राणा, उपप्रधान लक्ष्मी देवी ने समस्याओं के समाधान की मांग की। तहसीलदार ने आश्वासन दिया कि शीघ्र संयुक्त टीम गठित कर संबंधित विद्यालयों का निरीक्षण कराया जाएगा।

27 सितम्बर को लगोगा बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर

जयन्त प्रतिनिधि। चमोली : जनपद चमोली में आम जनमानस को विधिक अधिकारों एवं विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं की जानकारी उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 27 सितम्बर 2026 को राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, गोपेश्वर के ऑडिटोरियम में बहुउद्देशीय विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित किया जाएगा। शिविर का उद्देश्य अधिक से अधिक लोगों तक विधिक जागरूकता एवं जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी पहुंचाना है, ताकि आमजन अपने अधिकारों के प्रति जागरूक होने के साथ उपलब्ध सरकारी सुविधाओं का भी लाभ उठा सकें। अपर जिलाधिकारी विवेक प्रकाश ने बताया

कि शिविर का आयोजन माननीय उत्तराखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, नैनीताल एवं माननीय जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, चमोली की अध्यक्षता में किया जाएगा। उन्होंने बताया कि शिविर में आमजन को विभिन्न विधिक विषयों एवं उनके अधिकारों की जानकारी देने के साथ ही केंद्र एवं राज्य सरकार तथा विभिन्न विभागों द्वारा संचालित जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी एवं योजनाओं का लाभ लेने की प्रक्रिया के संबंध में भी जागरूक किया जाएगा। साथ ही स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से शिविर में आने वाले लोगों का नि:शुल्क स्वास्थ्य परीक्षण भी किया जाएगा।

एक नजर

पूर्व पालिकाध्यक्ष को मातृशोक

श्रीनगर गढ़वाल : भक्तियाना निवासी एवं नगर पालिका के पूर्व अध्यक्ष विपिन चंद्र मैठाणी की माता इंदू देवी मैठाणी (79) का रविवार रात देहरादून में उपचार के दौरान निधन हो गया। वह लंबे समय से बीमार थीं। सोमवार सुबह उनका पार्थिव शरीर भक्तियाना स्थित आवास पर लाया गया। इसके बाद निकली अंतिम यात्रा में विभिन्न सामाजिक, राजनीतिक और अन्य क्षेत्रों से जुड़े लोग शामिल हुए और उन्हें श्रद्धांजलि दी। बिल्केदार घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। पुत्र विपिन चंद्र मैठाणी ने चिता को मुखाग्नि दी। (एजेंसी)

चारधाम यात्रा मार्ग पर बन रहे 14 नए व्यू और सेल्फी प्वाइंट

उत्तरकाशी। चारधाम यात्रा मार्ग पर वर्षों से जर्जर पड़े यात्री प्रवेशालय अब यात्रियों की सुविधा और पर्यटन आकर्षण के नए केंद्र बनेंगे। जिला प्रशासन ने गंगोत्री और यमुनोत्री धाम पहुंचने वाले श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम, सुरक्षित और यादगार बनाने के लिए 14 स्थलों के कायाकल्प की योजना शुरू की है।जिलाधिकारी प्रशांत आर्य के निर्देशन में लघु सिंचाई विभाग की ओर से चिन्हित स्थलों पर करीब 31.32 लाख रुपये की लागत से व्यू प्वाइंट, सेल्फी प्वाइंट और पथ-प्रदर्शक स्तंभ विकसित किए जा रहे हैं। योजना में भटवाड़ी, नौगांव, पुरोला और मोरी विकासखंडों के विभिन्न स्थल शामिल हैं। परियोजना के तहत हीना पार्किंग, मनेरी डेम झरना, सुक्रीटॉप, झाला, हर्षिल और गंगोत्री धाम के अलावा यमुनोत्री यात्रा मार्ग, लाखमंडल, पुरोला और मोरी में सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। इन स्थानों पर यात्रियों को विश्राम के साथ प्राकृतिक और हिमाच्छादित दृश्यों को देखने और फोटोग्राफी का अवसर मिलेगा। अधिशासी अभियंता लघु सिंचाई मदन मोहन शर्मा ने बताया कि 14 में से 10 निर्माण कार्य पूरे हो चुके हैं। हीना पार्किंग में सेल्फी प्वाइंट, डबरानी में पथ-प्रदर्शक स्तंभ, पुरोला में व्यू एवं सेल्फी प्वाइंट तथा मोरी में यात्रा मार्ग के पुनरोद्धार और सेल्फी प्वाइंट का कार्य प्रगति पर है।

खेतों व मकानों के ऊपर से गुजर रही जानलेवा लाइन

उत्तरकाशी। भटवाड़ी विकासखंड के गणेशपुर गांव में ग्रामीणों के खेतों और मकानों के बेहद करीब से गुजर रही 33 केवी हाई वोल्टेज विद्युत लाइन खतरे का सबब बनी है। लाइन खेतों के इतने नजदीक से गुजर रही है कि ग्रामीणों को हर समय हादसे की आशंका बनी रहती है।ग्रामीणों का कहना है कि विद्युत लाइन से लंबे समय से खतरा बना हुआ है। कई बार लाइन टूटने की घटनाएं भी हो चुकी हैं, हालांकि गनीमत रही कि कोई बड़ा हादसा नहीं हुआ। इन दिनों ग्रामीण खेतों में धान की कटाई और मंडाई के काम में जुटे हैं। ऐसे में खेतों के बेहद करीब से गुजर रही हाईवोल्टेज लाइन से हादसे का खतरा और बढ़ गया है।ग्राम प्रधान प्रदीप राणा ने बताया कि लाइन से उत्पन्न खतरे के संबंध में उत्तराखंड जल विद्युत निगम के अधिकारियों को कई बार अवगत कराया जा चुका है, लेकिन अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों ने लाइन को सुरक्षित स्थान पर शिफ्ट करने अथवा अन्य आवश्यक सुरक्षा उपाय किए जाने की मांग की है।

जूड़ो में टिहरी जिले के 27 खिलाड़ी राज्य स्तर पर वयनित

नई टिहरी। कार्मल स्कूल चंबा में आयोजित दो दिवसीय जिला स्तरीय जूडो प्रतियोगिता का पुस्कार वितरण के साथ समापन हो गया। प्रतियोगिता में बेहतर प्रदर्शन करने वाले 27 छात्र-छात्राओं का चयन राज्य स्तरीय प्रतियोगिता के लिए किया गया। शिक्षा विभाग के ज़ेड़ा मीडिया प्रभारी चक्रभर प्रसाद भद्री ने बताया कि राजकीय इंटर कॉलेज बन्नाली से बालिका वर्ग में करिश्मा, राधिका मनवाल, सलोनी, राधिका, शिवानी और पावल, बालक वर्ग में शुभम, आरुप, सागर, गगन, राघव, राहुल, विवेक और केशव का चयन हुआ है।

जन संवाद कार्यक्रम में डीएम ने सुनी शिकायतें

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : जिलाधिकारी विशाल मिश्रा की अध्यक्षता में जिला सभागार में जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में जनपद के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में ग्रामीण अपनी समस्याएं लेकर पहुंचे। इस दौरान संबंधित विभागों के अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद रहे। जन संवाद कार्यक्रम में फरियादियों द्वारा कुल 25 शिकायतें दर्ज कराई गईं, जिनमें से 11 शिकायतों का मौके पर ही निस्तारण किया गया। शेष शिकायतों को संबंधित विभागों को प्रेषित करते हुए शीघ्र निस्तारण के निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनता की शिकायतों के निस्तारण में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए तथा प्रत्येक शिकायत का प्राथमिकता के आधार पर समयबद्ध निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस दौरान जिलाधिकारी ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पोर्टल पर दर्ज शिकायतों की भी समीक्षा की। समीक्षा के दौरान एल-1 स्तर पर 99 तथा एल-2 स्तर पर 16 शिकायतें



निस्तारण के लिए लंबित पाई गईं। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए कि लंबित शिकायतों का शीघ्र निस्तारण करते हुए पोर्टल पर भी इसकी अद्यतन स्थिति दर्ज की जाए। जन संवाद कार्यक्रम में रायड़ी की ग्राम प्रधान सुधाता देवी ने प्राथमिक विद्यालय में रिक्त शिक्षक पद पर

व्यवस्था न होने की समस्या से जिलाधिकारी को अवगत कराया। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि जनता की समस्याओं का त्वरित एवं समयबद्ध निस्तारण प्रशासन की प्राथमिकता है। उन्होंने सभी अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनता मिलन में प्राप्त शिकायतों के साथ ही मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर लंबित शिकायतों का भी गंभीरता से संज्ञान लेते हुए निर्धारित समयावधि में निस्तारण सुनिश्चित करें। साथ ही शिकायतकर्ता को की गई कार्रवाई से अवगत कराने के भी निर्देश दिए। इस दौरान मुख्य विकास अधिकारी राजेंद्र सिंह रावत, जिला विकास अधिकारी मनीष्वर कौर, मुख्य चिकित्सा अधिकारी पारुल गोयल, अर्थ एवं सांख्यिकी अधिकारी सदीप भट्ट, पीएमजीएसवाई अधिशासी अभियंता पवन कुमार, ग्रामीण निर्माण विभाग की अधिशासी अभियंता मोनल गुलाटी, उपजिलाधिकारी उज्ज्वल अनिल रावत, सहायक अभियंता एनएच प्रेरणा जगड़ी सहित अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

सरकारी भूमि पर अतिक्रमण मिलने पर करें कार्रवाई

गोपेश्वर। जिलाधिकारी गौरव कुमार ने जिला सभागार में युके जीएसएस पोर्टल की समीक्षा बैठक ली। उन्होंने अधिकारियों को विभागीय परिसंपत्तियों और सरकारी भूमि पर अतिक्रमण मिलने पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्रवाई के साथ इसकी अद्यतन स्थिति उत्तराखंड गवर्नमेंट (युके जीएसएस) पोर्टल पर अनिवार्य रूप से दर्ज कराने को कहा। कहा कि सरकारी भूमि पर अतिक्रमण मिलने पर प्रभावी कार्रवाई करें। उन्होंने कहा कि सरकारी भूमि और विभागीय परिसंपत्तियां जनहित से जुड़ी महत्वपूर्ण संपत्तियां हैं। इनके संरक्षण और अतिक्रमण की

रोकथाम के लिए अधिकारी नियमित निगरानी करें। उन्होंने कहा कि पोर्टल पर आने वाले प्रत्येक अलर्ट को गंभीरता से लेते हुए अधिकारी मौके पर जाकर जांच करें कि अलर्ट सरकारी भूमि या परिसंपत्ति से संबंधित है या नहीं। उन्होंने एडीएम को पोर्टल की नियमित समीक्षा करने, प्रत्येक अलर्ट की जांच के बाद उसकी अद्यतन स्थिति पोर्टल पर दर्ज कराने, जांच में अतिक्रमण मिलने पर नियमानुसार कार्रवाई कर उसकी जानकारी भी पोर्टल पर अपलोड करने के निर्देश दिए।

इस मौके पर एडीएम विवेक प्रकाश, एसडीएम आरके पांडे, सीएसओ डॉ. राजीव सिंह पॉल आदि मौजूद रहे।

अब तक 15.19 लाख से अधिक श्रद्धालुओं ने किए बाबा केदार के दर्शन

जयन्त प्रतिनिधि। रूद्रप्रयाग : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के कुशल मार्गदर्शन एवं जिलाधिकारी विशाल मिश्रा के कुशल नेतृत्व में इस वर्ष केदारनाथ यात्रा नए कीर्तिमान स्थापित कर रही है। अब तक 15,19,321 श्रद्धालु बाबा केदारनाथ के दर्शन कर चुके हैं। यात्रा को सुगम, सुरक्षित एवं व्यवस्थित बनाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं। केदारनाथ धाम पहुंच रहे तीर्थयात्रियों के लिए जिला प्रशासन द्वारा रहने, भोजन, पेयजल एवं स्वास्थ्य सुविधाओं के साथ ही अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं। वहीं पुलिस एवं जिला आपदा प्रबंधन विभाग द्वारा यात्रा मार्ग पर सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत रखते हुए श्रद्धालुओं की सुरक्षित यात्रा सुनिश्चित की जा रही है। जिलाधिकारी विशाल मिश्रा ने कहा कि केदारनाथ यात्रा को सुगम एवं सुरक्षित बनाने के लिए सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय के साथ कार्य कर रहे हैं। कहा कि मानसून के कारण प्रभावित क्षेत्रों में मार्ग सुधार एवं सुरक्षा से संबंधित कार्य तेजी से किए जा रहे हैं। चौरबासा क्षेत्र



में भी मार्ग सुधार का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जा रहा है, ताकि श्रद्धालुओं को आवागमन में किसी प्रकार की परेशानी न हो। जिलाधिकारी ने बताया कि पैदल यात्रा मार्ग पर सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से लगातार निगरानी रखी जा रही है। यात्रा मार्ग की स्थिति, श्रद्धालुओं की आवाजाही एवं सुरक्षा व्यवस्था पर प्रशासन द्वारा निरंतर नजर रखी जा रही है। उन्होंने सभी संबंधित विभागों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करते हुए यात्रियों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए हैं।

जनसमस्याओं का समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता

मुख्यमंत्री ने मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री कैंप कार्यालय स्थित मुख्य सेवक सदन में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों से आए लोगों की समस्याएं सुनीं। इस दौरान लोगों ने मुख्यमंत्री के समक्ष सड़क, पेयजल, विद्युत, स्वास्थ्य, शिक्षा, राजस्व, पेंशन, रोजगार, आर्थिक सहायता तथा विभिन्न क्षेत्रीय एवं व्यक्तिगत समस्याओं से संबंधित प्रकरण रखे। मुख्यमंत्री ने लोगों की समस्याओं को गंभीरता से सुनते हुए संबंधित अधिकारियों को उनका त्वरित,



प्रभावी एवं समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन समस्याओं का समाधान जिला अथवा

पर जनसमस्याओं का प्राथमिकता से निस्तारण सुनिश्चित करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि जनसमस्याओं का समाधान राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकताओं में है। शासन-प्रशासन के प्रत्येक स्तर पर अधिकारियों की जिम्मेदारी है कि लोगों की समस्याओं को संवेदनशीलता के साथ सुना जाए और नियमानुसार उनका यथाशीघ्र समाधान किया जाए। आमजन को अपने कार्यों के लिए बार-बार सरकारी कार्यालयों के चक्कर न लगाने पड़ें, इसके लिए कार्यप्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि जनसुनवाई में प्राप्त प्रत्येक प्रकरण पर गंभीरता से कार्रवाई की जाए। शिकायतों के निस्तारण की नियमित मॉनिटरिंग की जाए और यह भी सुनिश्चित किया जाए कि

समाधान केवल कागजी औपचारिकता तक सीमित न रहे, बल्कि संबंधित व्यक्ति को वास्तविक रूप से राहत मिले। उन्होंने कहा कि शासन, जिला प्रशासन और विभागों के बीच बेहतर समन्वय से जनसमस्याओं का समाधान और अधिक प्रभावी बनाया जाए। जनहित से जुड़े प्रकरणों में संवेदनशीलता और जवाबदेही के साथ कार्य करते हुए लोगों को समयबद्ध सेवाएं उपलब्ध कराना सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. के. सुधांशु, सचिव विनय शंकर पाण्डेय, गढ़वाल कमिश्नर आनंद स्वरूप, अपर सचिव जे.सी. कांडपाल, जिलाधिकारी देहरादून डॉ. आशीष चौहान, एसएसपी देहरादून प्रमोद डोभाल एवं मुख्यमंत्री कार्यालय के अधिकारी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

कांगो में एबोला का कहर : प्रकोप के केंद्र में स्वास्थ्यकर्मियों के लिए टीकाकरण अभियान शुरू

किंशासा, एजेंसी। कांगो ने इतिहास के सबसे तेजी से फैलते एबोला प्रकोप के केंद्र बुनिया में स्वास्थ्यकर्मियों को टीके लगाना शुरू कर दिया है। यह अभियान ‘इरवेबो’ वैकसीन के माध्यम से चलाया जा रहा है, ताकि जोखिम में तैनात लगभग 20,000 ट्रंकलाइन वर्कर्स की सुरक्षा की जा सके। देश में अब तक 7,541 मामलों की पुष्टि हो चुकी है, जिनमें 3,639 लोगों की मौत हो चुकी है। वर्तमान प्रकोप ‘बुंडीबुगो’ वायरस के कारण फैल रहा है, जिसका कोई स्वीकृत इलाज नहीं है। इसलिए वैज्ञानिक अध्ययन और सुरक्षा के उद्देश्य से इरवेबो वैकसीन का उपयोग अनुकूण आधार पर किया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार असुरक्षा, हड़ताल और विस्थापन के कारण यह प्रकोप बेहद गंभीर और अनियंत्रित बना हुआ है।

ईरान में दिखा महिलाओं का साहस : बिना हिजाब 10 किमी दौड़ीं

तेहरान, एजेंसी। ईरान की राजधानी तेहरान में महिलाओं के एक समूह ने देश के अनिवार्य हिजाब का कानून का खुलेआम उल्लंघन करते हुए बिना हिजाब पहने 10 किलोमीटर की दौड़ प्रतियोगिता में भाग लिया। यह साहसिक कदम ऐसे समय उठाया गया है जब ईरानी अधिकारी पहले भी इसी तरह बिना हिजाब के दौड़ के आयोजन पर सख्त कार्रवाई कर चुके थे। यह प्रतियोगिता वेलायात पार्क में आयोजित की गई थी, जिसमें पुरुषों और महिलाओं के लिए अलग-अलग दौड़ की व्यवस्था थी। सोशल मीडिया पर बिना हिजाब के दौड़ती महिलाओं के वीडियो वायरल हो रहे हैं। इस घटना ने ईरान के सख्त हिजाब कानून की ओर दुनिया का ध्यान खींचा है।

युद्ध के बीच ईरान का शक्ति प्रदर्शन 3,13,000 लोगों ने दिखाई ताकत

तेहरान। ईरान में शुक्रवार को सरकार के आह्वान पर बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। सरकारी मीडिया के अनुसार, तेहरान में 3.13 लाख लोगों ने मार्च में हिस्सा लिया, जबकि रिवोल्यूशनरी गार्ड्स के कमांडर जनरल हसन हसाजावेह ने दावा किया कि छह लाख से अधिक लोग सीमित सैन्य प्रशिक्षण के लिए पंजीकरण करा चुके हैं और प्रशिक्षण में 10 लाख से अधिक लोगों के शामिल होने की उम्मीद है। तेहरान में प्रदर्शनकारियों ने ईरानी झंडे लेकर मार्च किया और देश की रक्षा के लिए हथियार उठाने की तैयारी जताई। सरकार ने इस अभियान को ‘जाफदाये ईरान’ यानी ‘ईरान के लिए जान कुर्बान करने वाले’ नाम दिया है। राज्य मीडिया कई दिनों से लोगों से इसमें शामिल होने की अपील कर रहा था।

अमेरिका में धार्मिक भेदभाव का मुकदमा, त्योहारों की अनदेखी पर मिशिगन का जवाब दया?

मिशिगन , एजेंसी। अमेरिका के मिशिगन में धर्म आधारित मुकदमे का मामला सामने आया है। डियरबॉर्न शहर ने शनिवार को एक मुकदमे का जवाब दिया। मुकदमे में शहर पर मुस्लिम त्योहारों को मनाने और अन्य धर्मों के त्योहारों की अनदेखी का आरोप है। शहर ने अपने ऊपर हो रहे हमलों का कारण अपनी विविधता और ‘स्वागत योग्य स्वभाव’ को बताया। यह मुकदमा गुरुवार को दायर हुआ था, जिसमें शहर और मेयर पर ईसाई व यहूदी त्योहारों की अनदेखी करते हुए मुस्लिम त्योहारों पर हजारों अमेरिकी डॉलर खर्च करने का आरोप लगा। द फेडरलिस्ट की पत्रकार मार्गोट वलीवलैंड द्वारा दायर मुकदमे में कहा गया कि डियरबॉर्न ईसाइयों और यहूदियों के लिए शत्रुतापूर्ण जगह रहा है। मुकदमे के अनुसार, मेयर अब्दुल्ला हम्मद ने पादरी टैड बारहम से कहा था कि उनका शहर में स्वागत नहीं है। शहर ने पिछले साल रमजान बैनरो पर 1,500 अमेरिकी डॉलर और पीस पार्क में वांद के प्रतीक पर 5,000 अमेरिकी डॉलर खर्च किए थे। लेकिन शहर ने ईसाई त्योहार ईस्टर और यहूदी त्योहार पासआवेर को इसी तरह नहीं मनाया। शहर ने अपने बयान में कहा कि वह सभी निवासियों की निष्पक्ष और समान रूप से सेवा करने के लिए प्रतिबद्ध है। मेयर हम्मद ने कहा कि डियरबॉर्न सभी का स्वागत करता है, चाहे उनका कोई भी धर्म हो।

ईमानमजारी और हादी अली की फिर गिरफ्तारी, पीओजेके ह्यूमन राइट्स काउंसिल ने जताई गहरी चिंता, उठाए सवाल

इस्लामाबाद, एजेंसी। मानव अधिकार अधिकता इमान मजारी और हादी अली चट्टा की दोबारा गिरफ्तारी पर विवाद गहरा गया है। पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू और कश्मीर के मानवाधिकार परिषद ने इस अचानक हुई कार्रवाई पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सुप्रीम कोर्ट से जमानत मिलने और सजा निलंबित होने के तुरंत बाद इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज नए मामले में उन्हें गिरफ्तार किया गया। मानवाधिकार परिषद ने राज्य प्राधिकारियों से इस गिरफ्तारी का स्पष्ट कानूनी आधार और सार्वजनिक कारण बताने की मांग की है।

सुप्रीम कोर्ट की जमानत के बाद फिर हुई गिरफ्तारी : मुजफ्फराबाद स्थित एचआरसी-पीओजेके ने शनिवार, 19 सितंबर 2026 को जारी बयान में इमान मजारी और हादी अली चट्टा की पुनर्गिरफ्तारी पर सवाल उठाए। परिषद के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने दोनों की सजा निलंबित करते हुए उन्हें जमानत पर रिहा करने का आदेश दिया था।

हालांकि, इस न्यायिक आदेश के तुरंत बाद दोनों को इस्लामाबाद के कोहसार पुलिस स्टेशन में दर्ज एक नए मामले में फिर से हिरासत में ले लिया गया। एचआरसी-पीओजेके ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्वि पर पोस्ट के जरिए संबंधित अधिकारियों से पुनर्गिरफ्तारी की परिस्थितियों और कानूनी आधार की पारदर्शी जानकारी देने की मांग की। परिषद ने कहा कि



किसी व्यक्ति के खिलाफ कानून के तहत जांच और मुकदमा चलाने का अधिकार राज्य के पास है, लेकिन न्यायिक आदेश के तुरंत बाद हुई कार्रवाई के कारण इसके कानूनी आधार को स्पष्ट करना जरूरी है।

एंटी टेररिज्म कोर्ट में पेशी, 30 दिन की रिमांड खारिज : पुनर्गिरफ्तारी के बाद इमान मजारी और हादी अली चट्टा को एंटी टेररिज्म कोर्ट यानी एटीसी के सामने पेश किया गया। सुनवाई के दौरान पुलिस ने दोनों की 30 दिनों की फिजिकल रिमांड की मांग की। हालांकि, अदालत ने पुलिस की 30 दिन की रिमांड की मांग को स्वीकार नहीं किया। इसके बजाय दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल

भेजने का आदेश दिया गया। इस घटनाक्रम के बाद एचआरसी-पीओजेके ने न्यायिक आदेशों के सम्मान और निष्पक्ष अदालती प्रक्रिया की जरूरत पर जोर दिया। परिषद ने कहा कि मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई पारदर्शी तरीके से होनी चाहिए। संवैधानिक अधिकारों और निष्पक्ष सुनवाई पर जोर : मानवाधिकार परिषद ने कहा कि राज्य कानून के अनुसार किसी भी नागरिक के खिलाफ जांच और मुकदमा चला सकता है। हालांकि, गिरफ्तारी और न्यायिक प्रक्रिया के हर चरण में संबंधित कानूनी प्रावधानों का पालन जरूरी है। परिषद ने अधिकारियों से

इमान मजारी और हादी अली चट्टा की पुनर्गिरफ्तारी की आवश्यकता और उसके कानूनी आधार को सार्वजनिक रूप से स्पष्ट करने का आग्रह किया। एचआरसी-पीओजेके ने कहा कि न्यायिक आदेशों का सम्मान, कानून का समान इस्तेमाल और निष्पक्ष सुनवाई आरोपों का सामना कर रहे व्यक्ति के संवैधानिक अधिकारों का हिस्सा हैं। परिषद ने दोनों के कानूनी और संवैधानिक अधिकारों की सुरक्षा सुनिश्चित करने और पूरी कार्रवाई को पारदर्शी रखने की मांग की है।

शौकत नवाज मीर मामले का भी दिया संदर्भ : एचआरसी-पीओजेके ने अपने बयान में शौकत नवाज मीर की कस्टडी और कानूनी स्थिति से जुड़े पहले के मामले का भी उल्लेख किया। परिषद ने कहा कि उस मामले में अलग-अलग तरह के बयान सामने आने के बाद उसने तत्काल और सत्यापन योग्य स्पष्टीकरण की मांग की थी। 30 जून 2026 को शौकत नवाज मीर की गिरफ्तारी की खबरें राष्ट्रीय मीडिया में सामने आई थीं। समाचार रिपोर्टों में मुजफ्फराबाद के डिट्री कमिश्नर के हवाले से उनकी गिरफ्तारी की जानकारी दी गई थी।

अब परिषद ने एक बार फिर राज्य संस्थाओं से नागरिकों के अधिकारों और कानून के शासन को बनाए रखने की अपील की है। इमान मजारी और हादी अली चट्टा की दोबारा गिरफ्तारी के मामले में आगे की कानूनी प्रक्रिया और अदालत की कार्यवाही पर नजर बनी हुई है।

नीदरलैंड में विरोध-प्रदर्शन के दौरान हिंसा

एम्स्टर्डम, एजेंसी। नीदरलैंड में प्रवासन और शरण नीतियों के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे सैकड़ों दूर-दराज दक्षिणपंथी प्रदर्शनकारियों को दंगा पुलिस ने तितर-बितर किया। हिंसा के बाद स्थानीय अधिकारियों ने मार्च पर प्रतिबंध लगाया और पुलिस ने शनिवार को कई गिरफ्तारियां कीं। प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर पटाखे और अन्य वस्तुएं फेंकीं। न्याय मंत्री डेविड वैन वील ने एक्स पर इसे ‘घृणित दृश्य’ बताते हुए कड़ी प्रतिक्रिया मांगी। उन्होंने कहा कि प्रदर्शनकारियों ने नाजी सलाम किए, यहूदी विरोधी नारे लगाए और पुलिस पर हमला कर पटाखे फेंके। हेग नगर पालिका ने मैलेविल्ड पार्क में हिंसा के बाद मार्च पर प्रतिबंध लगाया और भीड़ को तितर-बितर होने का आदेश दिया। यह अशांति पिछले साल हुई दक्षिणपंथी प्रदर्शन के दौरान हुए दंगों के एक साल बाद हुई। पिछले साल की झड़पों में एक पुलिस कार जलाई गई थी और केंद्रवादी डी66 पार्टी के

मुख्यालय पर हमला हुआ था। डी66 के नेता रॉब जेट्टन अब प्रधानमंत्री हैं। कैरेबियन सागर में अमेरिकी सेना का हमला, संदिग्ध ड्रप्स बोट पर स्ट्राइक में चार की मौत : वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिकी सेना ने कैरेबियन सागर में ड्रप्स तस्करी के संदेह में एक नाव पर हमला करके चार लोगों को मार गिराया है। यह कार्रवाई लैटिन अमेरिका में तस्करो के खिलाफ अमेरिकी अभियान का हिस्सा है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के इस अभियान के तहत अब तक 69 हमलों में कम से कम 231 लोग मारे जा चुके हैं। अमेरिकी सेना ने दावा किया कि नाव तस्करी के रास्ते पर थी, हालांकि ड्रप्स होने का कोई पुख्ता सबूत पेश नहीं किया गया। अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ के अनुसार कोलंबिया, ग्वाटेमाला और होंडुरास जैसे देश भी साझा सैन्य अभियानों के लिए सहमत हुए हैं, हालांकि ग्वाटेमाला ने ऐसे किसी समझौते से इनकार किया है।

यमन में सरकारी सेना-हूती विद्रोहियों के बीच भीषण जंग, 24 घंटे में 44 की मौत

साना , एजेंसी। यमन में सरकारी सेना और हूती विद्रोहियों के बीच संघर्ष एक बार फिर तेज हो गया है। दक्षिण-पश्चिमी ताइज और लहज प्रांतों में पिछले 24 घंटों के दौरान कई मोर्चों पर हुई भीषण लड़ाई में कम से कम 44 लोगों की मौत हो गई। सैन्य सूत्रों के अनुसार दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों पर कब्जा मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार तैनात कर रहे हैं। बाब-अल-मदेब जलडमरूमध्य के पास स्थित कहबूब और ताइज के अल-कथा-अल-वाजियाह क्षेत्र इस समय सबसे बड़े युद्धक्षेत्र बने हुए हैं, जहां लगातार हमले और जवाबी कार्रवाई जारी है। ताइज और लहज में कई मोर्चों पर जारी है भीषण लड़ाई : सरकारी सेना के एक वरिष्ठ सैन्य सूत्र ने नाम न बताने की शर्त पर बताया कि दक्षिण-पश्चिमी यमन के ताइज और



लहज प्रांतों में कई मोर्चों पर लगातार लड़ाई जारी है। दोनों पक्ष रणनीतिक इलाकों में अपनी स्थिति मजबूत करने के लिए अतिरिक्त सैनिक और हथियार भेज रहे हैं। सूत्र के मुताबिक, ताइज प्रांत के अल-कथा और अल-वाजियाह क्षेत्रों में पिछले 24 घंटों के दौरान हूती विद्रोहियों ने कई बार सरकारी ठिकानों पर हमला किया, लेकिन सेना ने सभी हमलों को विफल कर दिया। इन झड़पों में सरकारी सेना के छह जवान और

हूती समूह के 11 लड़ाके मारे गए। हूती के कई हमले विफल करने का दावा किया सरकारी सूत्र ने दावा किया कि हूती विद्रोहियों ने बड़ी संख्या में अतिरिक्त लड़ाके भेजकर कई जगहों पर रक्षा पंक्ति तोड़ने की कोशिश की, लेकिन उन्हें पीछे हटने पर मजबूर होना पड़ा। वहीं लहज प्रांत के कहबूब पर्वतीय क्षेत्र में भी दोनों पक्षों के बीच भीषण लड़ाई जारी है। इन झड़पों में सरकारी सेना के छह जवान और

ओर जाने वाले मार्ग पर स्थित रणनीतिक ऊंचाई वाला क्षेत्र माना जाता है। एक अन्य सरकारी सैन्य अधिकारी ने बताया कि कहबूब मोर्चे पर पिछले 24 घंटों में सरकारी सेना के 12 जवान मारे गए। दूसरी ओर, हूती समूह के एक सैन्य सूत्र ने दावा किया कि इसी अवधि में कहबूब क्षेत्र में हुई लड़ाई में 15 हूती लड़ाके, जिनमें एक कमांडर भी शामिल है, मारे गए। हालिया संघर्ष ऐसे समय में तेज हुआ है, जब इस महीने की शुरुआत में हूती विद्रोहियों ने यमन के दक्षिण-पश्चिमी लाल सागर तट पर महत्वपूर्ण बढ़त हासिल की थी। हूती समूह ने 10 सितंबर को रणनीतिक बंदरगाह शहर मोखा पर कब्जा किया और इसके अगले दिन 11 सितंबर को बाब-अल-मदेब जलडमरूमध्य के बीच स्थित मयूनु (पेरिम) द्वीप पर भी नियंत्रण कर लिया।

अमेरिका ने मिडिल-ईस्ट में दूतावासों को अलर्ट भेजा:ट्रम्प छुट्टी खत्म होने से पहले व्हाइट हाउस लौटे

वाशिंगटन डीसी/तेहरान, एजेंसी। मिडिल-ईस्ट में अमेरिका और ईरान के बीच एक बार फिर तनाव बढ़ता नजर आ रहा है। अमेरिका में खराब अल-जिरा एयरवेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है। 9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह : अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी

आफ्टरबर्नर के साथ उड़ान भरते हुए मिडिल-ईस्ट की तरफ रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी ने भी उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-हक्का के खिलाफ अल-जिरा एयरवेस के पास एयर डिफेंस एक्टिविटी की जानकारी दी है। 9 देशों में अमेरिकी नागरिकों को सावधानी की सलाह : अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में रह रहे अपने नागरिकों को सावधान रहने को कहा है। अमेरिका ने कहा कि मिडिल-ईस्ट में जारी संघर्ष तेजी से बढ़ सकता है। इसलिए इन देशों की यात्रा करने वाले अमेरिकियों को भी सावधानी बरतने की सलाह दी



मोहसन रेजाई ने अल जजीरा से कहा कि कतर ने मध्यस्थ के तौर पर ईरान की शर्तें अमेरिका तक पहुंचा दी हैं। अब ईरान ट्रम्प के जवाब का इंतजार कर रहा है। रेजाई के मुताबिक, ईरान की मांगों में सभी मोर्चों पर युद्ध रोकना, विदेशों में प्रोजेक्ट किए गए ईरानी फंड जारी करना और नौसैनिक नाकाबंदी खत्म करना शामिल है। सऊदी बोला- हूतियों ने रियाद पर मिसाइल हमले की कोशिश की : सऊदी अरब ने कहा कि हूतियों ने उसकी राजधानी रियाद पर बैलिस्टिक मिसाइल से हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना के मुताबिक, उसने मिसाइलों को रास्ते में ही रोक दिया। हूती

प्रवक्ता याह्या सरी ने कहा कि संगठन ने सऊदी अरब पर कई बैलिस्टिक और क्रूज मिसाइलों के साथ ड्रोन भी भेजे। उनके मुताबिक, रियाद और सऊदी तेल कंपनी अरामको की यानबू स्थित सुविधाओं को निशाना बनाया गया। इस हमले के बाद सऊदी अरब और हूतियों के बीच तनाव और बढ़ गया है। ईरान की नोबेल विजेता बोलीं- जंग और दमन की कीमत लोग चुका रहे : ईरान की नोबेल शांति पुरस्कार विजेता नर्गिस मोहम्मदी ने कहा है कि देश में चल रही जंग, आर्थिक संकट और सरकारी दमन का सबसे ज्यादा असर आम लोगों पर पड़ रहा है। उन्होंने क़से बातचीत में

कहा कि हालात ऐसे हो गए हैं कि लोगों के लिए सांस लेना भी मुश्किल हो गया है। मोहम्मदी ने कहा कि पिछले डेढ़ साल में समाज में सरकारी दमन और बढ़ा है। आर्थिक दबाव के साथ लोगों पर बढ़ती पाबंदियों ने उनकी मुश्किलें और बढ़ा दी हैं। मोहम्मदी ने कहा कि इसके बावजूद कई ईरानी अपने अधिकारों के लिए आवाज उठा रहे हैं। उन्होंने खास तौर पर युवा पीढ़ी का जिक्र किया, जो अपने अधिकारों को समझती है और विरोध करने से पीछे नहीं हट रही। नर्गिस मोहम्मदी कई सालों से मानवाधिकारों के लिए आवाज उठाती रही हैं और कई बार जेल जा चुकी हैं।

मनसुख मांडविया ने जापान में किया ‘संडे ऑन साइकिल’ का नेतृत्व, एशियन गेम्स के लिए खिलाड़ियों को दी शुभकामनाएं



नागोया, एजेंसी। केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री मनसुख मांडविया ने जापान के नागोया में ‘संडे ऑन साइकिल’ अभियान में नेतृत्व किया। इस अभियान का मकसद सार्वजनिक स्वास्थ्य को बढ़ावा देना और टिकाऊ व सक्रिय जीवनशैली के लिए लोगों को प्रोत्साहित करना है।

उन्होंने एशियाई खेलों के लिए भारतीय खिलाड़ियों को शुभकामनाएं भी दीं। इस कार्यक्रम में भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक भी शामिल हुईं। एशियन गेम्स 2026 के बारे में केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने कहा कि आज जापान के नागोया में एशियन गेम्स शुरू हो गए हैं। भारत से 503 युवा खिलाड़ियों का दल एशियन गेम्स में हिस्सा लेने पहुंचा है। उनका हौसला बढ़ाने और समर्थन दिखाने के लिए, नागोया में भारतीय समुदाय ने आज एक ‘संडे ऑन साइकिल’ कार्यक्रम आयोजित किया। मुझे खुशी है कि हमारा दल अच्छा प्रदर्शन कर रहा है और हमारा भारतीय समुदाय भी उनका हौसला बढ़ा रहा है। उन्होंने कहा, ‘यह स्वाभाविक है कि

विदेशों में रहने वाले हमारे भारतीय नागरिक हमारी ताकत हैं। भारतीय लोगों को जहां भी और जिस भी तरह की मदद की जरूरत होती है, हमारे प्रवासी हमेशा उनके साथ खड़े रहते हैं। नागोया में, हमारे भारतीय खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाने और उनकी सुविधा के लिए, वहां रहने वाले भारतीयों ने सभी जरूरी इंतजाम किए हैं और कई युवा वॉलंटियर के तौर पर सेवा भी दे रहे हैं।

यही भारत की असली पहचान है। साइक्लिंग इवेंट में हिस्सा लेने पर जापान में भारत की राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने कहा, ‘यह बहुत अच्छा अनुभव था। मुझे बहुत खुशी है कि मंत्री मांडविया ने यह शानदार पहल की है। वे जहां भी होते हैं, इसे (संडे ऑन साइकिल) करते हैं और यह नागोया में भी उन्होंने ऐसा किया। सभी का एक साथ होना अच्छा लगा। मुझे खुशी है कि प्रवासी भारतीय इसमें शामिल हुए। ‘ भारतीय राजदूत नगमा मोहम्मद मलिक ने जापानी एथलीटों से मुलाकात के बाद कहा, ‘मैं कुछ एथलीटों से मिली थी।

ईरान की शर्तों से बड़ी हलचल: ट्रंप अचानक लौटे व्हाइट हाउस, अमेरिकी बमवर्षक पश्चिम एशिया रवाना; अब आगे क्या?



वाशिंगटन, एजेंसी। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कैप डेविड में अपना सप्ताहांत प्रवास बीच में ही खत्म कर दिया। जानकारी के मुताबिक डोनाल्ड ट्रंप शनिवार शाम (अमेरिकी समयानुसार) व्हाइट हाउस लौट आए। ट्रंप ने रात कैप डेविड में बिताने के बाद अपना कार्यक्रम बदलकर काम पर लौटने का फैसला किया। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है, जब ईरान ने युद्ध खत्म करने के लिए अमेरिका के सामने सात शर्तें रखी हैं और मांगें नहीं माने जाने पर ‘निर्णायक युद्ध’ के लिए तैयार रहने की चेतावनी दी है। ईरान की सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव प्रमुख मोहसन रेजाई ने अल जजीरा से कहा, ‘हम मध्यस्थ कतर के संपर्क में हैं। कतर ने युद्ध

प. एशिया में बढ़ी अमेरिकी दूतावासों की सुरक्षा, नागरिकों को चेतावनी जारी : इसके बाद पश्चिम एशिया में अमेरिकी राजनयिक मिशनो के आसपास सुरक्षा व्यवस्था बढ़ा दी गई। अमेरिका ने इराक, बहरीन, ओमान, सऊदी अरब, ईरान, कतर, लेबनान, कुवैत और जॉर्डन में मौजूद अपने नागरिकों से सतर्क रहने को कहा है। अमेरिका की ओर से जारी चेतावनी में कहा गया कि ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी अरब के खिलाफ सैन्य गतिविधियों में शामिल रहे हैं। इस सैन्य संघर्ष के तेजी से बढ़ने की आशंका है। क्षेत्र से आने-जाने वाले अमेरिकी नागरिकों को हवाई अड्डों और विमान सेवाओं से जुड़ी सूचनाओं पर नजर रखने की सलाह दी गई है। चेतावनी में कहा गया कि मध्य पूर्व के बाहर भी अमेरिकी राजनयिक ठिकानों को निशाना बनाया गया है। ईरान और उसके

समर्थन वाले समूह दुनिया के अलग-अलग हिस्सों में अमेरिका के हितों या अमेरिकी लोगों और संस्थानों से जुड़े स्थानों को निशाना बना सकते हैं। इनमें अमेरिकी कंपनियां और अन्य संस्थान भी शामिल हैं। इस बीच रूस टुडे ने खबर दी कि ब्रिटेन के एक हवाई अड्डे से अमेरिकी बमवर्षक विमान पश्चिम एशिया की ओर रवाना हुआ है। ईरान के प्रेस टीवी के अनुसार, उत्तर-पूर्वी सीरिया के अल-ह्साका में खरब अल-जिर सैन्य अड्डे के पास वायु रक्षा गतिविधियां देखी गई हैं। पश्चिम एशिया में तनाव उस समय और बढ़ गया जब सऊदी अरब ने कहा कि ईरान समर्थित हूती विद्रोहियों ने बैलिस्टिक मिसाइलों के जरिए रियाद पर हमला करने की कोशिश की। सऊदी सेना ने दावा किया कि मिसाइलों को लक्ष्य तक पहुंचने से पहले ही रोक दिया गया।

स्पेस फोर्स के बाद अब एआई फोर्स की तैयारी, ट्रंप का बड़ा एलान, बोले- यह अगली औद्योगिक क्रांति



वाशिंगटन , एजेंसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि वह ‘एआई फोर्स’ बनाने की तैयारी कर रहे हैं और जल्द ही एक ‘एआई सीजर’ की नियुक्ति की घोषणा करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र को ‘खत्म या नष्ट’ होने देने के लिए चुपचाप नहीं बैठेंगे। ट्रंप ने अपने दृष्ट सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका इस महत्वपूर्ण उद्योग के विकास को किसी भी तरह बाधित या रोकने का काम नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ‘हम किसी भी तरह इस अविश्वसनीय उद्योग के विकास में बाधा नहीं डालेंगे या उसे दबाएंगे नहीं। इसके बजाय, हम इसे महत्व देंगे, इसकी मदद करेंगे और इसके बढ़ने के साथ इस पर नजर रखेंगे। हालांकि, हम बुरे कामों पर भी नजर रखेंगे और मौजूद आपराधिक और दीवानी न्याय व्यवस्था के जरिये ऐसा आसानी से कर सकते हैं। ‘ डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में अमेरिकी दबदबे को अंतरिक्ष में बढ़ाने के लिए स्पेस फोर्स का गठन किया था। वहीं, हाल ही में अमेरिका ने पहली बार स्पष्ट

रूप से स्वीकार किया है कि उसके पास अंतरिक्ष की कक्षा में तैनात ऐसे हथियार हैं, जिनका इस्तेमाल शत्रु कर रहे हैं और जल्द ही एक ‘एआई सीजर’ की नियुक्ति की घोषणा करेंगे। ट्रंप ने कहा कि वह कृत्रिम बुद्धिमत्ता के क्षेत्र को ‘खत्म या नष्ट’ होने देने के लिए चुपचाप नहीं बैठेंगे। ट्रंप ने अपने दृष्ट सोशल अकाउंट पर एक पोस्ट में कहा कि अमेरिका इस महत्वपूर्ण उद्योग के विकास को किसी भी तरह बाधित या रोकने का काम नहीं करेंगे। उन्होंने कहा, ‘हम किसी भी तरह इस अविश्वसनीय उद्योग के विकास में बाधा नहीं डालेंगे या उसे दबाएंगे नहीं। इसके बजाय, हम इसे महत्व देंगे, इसकी मदद करेंगे और इसके बढ़ने के साथ इस पर नजर रखेंगे। हालांकि, हम बुरे कामों पर भी नजर रखेंगे और मौजूद आपराधिक और दीवानी न्याय व्यवस्था के जरिये ऐसा आसानी से कर सकते हैं। ‘ डोनाल्ड ट्रंप ने 2019 में अमेरिकी दबदबे को अंतरिक्ष में बढ़ाने के लिए स्पेस फोर्स का गठन किया था। वहीं, हाल ही में अमेरिका ने पहली बार स्पष्ट



क्यों होती है बेचैनी

आपाधापी व कोलाहल से परिपूर्ण इस युग में उतेजना या बेचैनी की शिकायत एक आम बात है। एक अध्ययन के अनुसार 20 से 34 फीसदी लोग इस शिकायत से ग्रस्त हैं।

लक्षण
उतेजना या बेचैनी जैसी शिकायत में व्यक्ति किसी भी काम को शुरू करने से पहले ही घबराने लगता है। उसका दिल तेजी से धड़कने लगता है, हाथ-पैरों में थरथराहट होती है और पेट में हलचल महसूस होती है। इस रोग का सीधा संबंध हमारे शरीर के तंत्रिका तंत्र से होता है। उतेजना से संबंधित दो तरह की बीमारियां प्रायः ज्यादातर लोगों में पाई जाती हैं।

कुछ अनजाने डर
इसे चिकित्सकीय भाषा में ‘पैनिक डिसार्डर’ भी कहते हैं। इस मर्ज में रोगी बिना किसी कारण के उलझन महसूस करने लगता है। मानो उसकी सांसें रुक जाएंगी और दिल जोर से धड़कने लगता है और उसे घुटन-सी महसूस होने लगती है। ऐसे रोगी भीड़भाड़ वाली जगह पर नहीं जाते, उन्हें लिफ्ट पर चढ़ने में डर लगता है कि कहीं लिफ्ट न गिर जाए। इसी प्रकार की एक दूसरी समस्या को चिकित्सकीय भाषा में सामान्य उतेजना गड़बड़ी (जनरल एंजाइटी डिसार्डर) कहते हैं। इस रोग में रोगी दिन-भर घबरата रहता है। वह मामूली आहट से भी सहम जाता है। इस वजह से उसे नींद नहीं आती है और उसका स्वभाव चिड़चिड़ा हो जाता है।

उपचार
इस तरह की मानसिक बीमारियों के उपचार के लिए अब यूएसएफडीए एप्रूव्ड जैसी कई प्रभावशाली दवाएं उपलब्ध हो चुकी हैं। इन दवाओं के सेवन से 12 से 15 सप्ताह के अन्दर रोगी पूर्णतः स्वस्थ हो जाता है, इसके साथ ही रोगी को मनोचिकित्सकीय परामर्श भी दिया जाता है।

जीभ का स्वाद बिगड़ जाए तो...



- राई – पानी में 10 ग्राम राई को डालकर उबाल लें। इस पानी से प्रतिदिन सुबह-शाम कुल्ला करने से जीभ का स्वाद ठीक हो जाता है।
- नौसादर – 5 ग्राम नौसादर और 5 ग्राम कालीमिर्च को पीसकर इसमें शहद मिलाकर जीभ पर रगड़ें तथा लार को बाहर गिरने दें। इससे जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- दालचीनी – जीभ पर कड़वाहट महसूस होने पर दालचीनी या बच को पीसकर और छानकर इस चूर्ण में शहद मिलाकर सेवन करने से जीभ की कड़वाहट दूर हो जाती है।
- अमलतास – 20 ग्राम अमलतास के गूदे को 250 ग्राम गर्म दूध में मिलाकर कुल्ला करें। इससे अफीम तथा कोकीन के सेवन करने के कारण खराब हुआ जीभ का स्वाद फिर से ठीक हो जाता है।



पोस्टपार्टम अवसाद और ‘बेबी ब्लू’, दोनों ही स्थितियां एक दूसरे से अलग हैं, इन दोनों प्रकार के अवसाद के लक्षण भिन्न हैं। ‘बेबी ब्लू’ प्रसव पूर्व होने वाली ऐसी अवस्था है, जो सबसे सामान्य है और हर तीन में से एक महिला में यह स्थिति पाई जाती है। प्रसव के बाद कुछ हफ्तों में शरीर में हुए हार्मोनल परिवर्तन की वजह से ये विकार होता है। प्रसव के बाद नई मां अक्सर भावनात्मक रूप से संवेदनशील हो जाती है, कुछ ही क्षण में वह खुश हो जाती है और अगले कुछ क्षणों में दुखी। ‘बेबी ब्लू’ विकार से और भी समस्याएं आ सकती हैं, लेकिन इससे आमतौर पर एक मां की जिम्मेदारी और कार्य में हस्तक्षेप नहीं होता और कुछ सप्ताह बाद यह बीमारी खत्म हो जाती है।

पोस्टपार्टम अवसाद एक अलग स्थिति है। यह समस्या प्रसव के पहले, दूसरे या तीसरे महीनों में किसी भी समय शुरू हो सकती है। इसमें दुःख और निराशा महसूस होती है या व्यक्ति कभी-कभी खुद को बेकार और दोषी मानता है। नई मां किसी भी कार्य या बात में एकाग्रता या रुचि लेने में असमर्थ हो जाती है, यहां तक कि बच्चे की जरूरतों को भी पूरा नहीं कर पाती। कुछ मामलों में बच्चों की जरूरतों को लेकर वो अति व्याकुल भी हो सकती है। वह बहुत चिंतायुक्त, संवेदनशील बन जाती है और उसके मन में इस तरह के परेशान करने वाले विचार बार-बार आने से उसको बच्चे के स्वास्थ्य की भी चिंता होने लगती है। ऐसे में नई मां बार-बार एक ही कार्य करती है, जैसे बच्चे कि बार-बार जांच करती है या फिर लगातार बच्चों के चिकित्सक को फोन करके सवाल पूछती है।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

यदि आप गर्भवती हैं, तो आपके जीवन शैली में मातृत्व के बाद होने वाले बदलावों की पहले ही तैयारी करके खुद को पोस्टपार्टम अवसाद के जोखिम से बचाने में सक्षम किया जा सकता है। आप दूसरी माताओं या डॉक्टरों से बात करके नवजात शिशु की देखभाल के बारे में पूछ सकती हैं और इसमें कोई संकोच की बात नहीं। अगर आपको नवजात शिशु और आप में योग्य तालमेल निर्माण होने में समय लगता है तो आपको अपने साथी या डॉक्टर, जिनको आपकी परवाह है, उनसे मदद लेने में संकोच नहीं करना चाहिए। अक्सर, जिनमें पोस्टपार्टम अवसाद का एक इतिहास है उनके लिए अवसाद के एण्टीडिप्रेसेंट उपचार के बिना मुकाबला करना मुश्किल होता है। इसलिए प्रसूति के तुरंत बाद डॉक्टर एण्टीडिप्रेसेंट दवा देना शुरू कर सकते हैं। इसके बारे में आपको पहले ही डॉक्टर से बात करना चाहिए। एक सामान्य नियम के रूप में डॉक्टरों को दवा की राशि गर्भावस्था के दौरान कम से कम निर्धारित करने की कोशिश करते हैं, लेकिन कभी-कभी अवसाद का जोखिम भ्रूण के जोखिम से भी अधिक महत्वपूर्ण होता है। इसलिए यह बहुत ही जरूरी है कि आप अपने डॉक्टर के साथ इन बातों पर चर्चा करें।



चिकित्सा के नए आयाम



चमत्कारिक पुष्प औषधि रेस्वयू रेमेडी

कैसे हुई खोज
रेस्वयू रेमेडी चिकित्सा पद्धति के आविष्कारक रहे हैं डॉ. एडवर्ड बेच जो लन्दन में प्रमुख एलोपैथिक डॉक्टर थे। इस चिकित्सा पद्धति से असन्तुष्ट होने से उन्होंने होम्योपैथिक डिग्री प्राप्त की और होम्योपैथिक पद्धति से चिकित्सा कार्य करना शुरू किया, लेकिन शीघ्र ही वे होम्योपैथिक पद्धति से भी असन्तोष का अनुभव करने लगे और किसी और भी सरल लेकिन सफल चिकित्सा पद्धति की खोज में लग गये। प्रकृति का अध्ययन करते हुए उनका ध्यान फूलों की तरफ गया। उन्होंने विचार किया कि स्वभावतः मनुष्य का मन फूलों की तरह कोमल होता है और मूलतः मनुष्य का अन्तर्मन सौम्य, सरल और भावुक होता है। इसका यह प्राकृतिक रूप मन के जिन छह शत्रुओं से बनता या बिगड़ता है, उनके नाम हैं काम, क्रोध, मद, लोभ, मोह और मत्सर। इन्हीं विकारों के प्रभाव से मनुष्य अपना प्राकृतिक स्वरूप याने स्वाभाविक अवस्था खो देता है। स्वाभाविक अवस्था का होना स्वास्थ्य है और इसे खो देना अस्वास्थ्य है, रोग है। मनुष्य की स्वाभाविक अवस्था फूलों के समान है और यदि यह अवस्था बिगड़ जावे तो

चिकित्सा के क्षेत्र में जो विभिन्न पद्धतियां प्रचलित हैं, उनमें एक नाम बेच प्लावर रेमेडीज का भी मौजूद है। इसे रेस्वयू रेमेडी भी कहते हैं। इस पद्धति की दवाएं चोट लगने की स्थिति में कारगर होती हैं। इनका सक्षिप्त परिचय आइए, जानते हैं।



इसे सुधारने के लिये फूलों का प्रयोग किया जा सकता है।

- सहायक सदस्यों की कमी।
- अपने नए शिशु की देखभाल के लिए कठिनाई, खासकर अगर बच्चे को गंभीर चिकित्सा समस्याएं हैं।
 - किशोर माताओं, खासकर यदि वे गरीब आर्थिक संसाधनों वाले परिवारों से हैं।
 - इस तरह के लक्षणों वाली महिलाओं में पोस्टपार्टम अवसाद कि विशेष रूप से उच्च जोखिम होती है। आधे से भी कम महिलाएं जिनको पोस्टपार्टम अवसाद होता है, वो उनकी समस्याओं के लिये चिकित्सा कराती है। कुछ महिलाएं इस बात से अनजान होती की उनको पोस्टपार्टम अवसाद है और वह इलाज से ठीक हो सकता है। कुछ महिलाएं ऐसा सोचती है की उनको तो एक बच्चा होने के बाद खुश होना चाहिये फिर उनको उदासी क्यों हो रही है, इस तरह के अजीब लक्षणों से उनको शर्मिंदगी होती है और वी किसी से मदद भी नहीं ले पाती।

पोस्टपार्टम डिप्रेशन से बचाव

पोस्टपार्टम डिप्रेशन के लक्षण

- एक महिला जिसको पोस्टपार्टम अवसाद है, उसमें निम्नलिखित लक्षणों में से कोई भी लक्षण हो सकते हैं-
- टीयर फुलनेस निराश लगना और रोना आना।
 - कभी-कभी बच्चे के सुरक्षा को ले के सनकी, मजबूर या बेबैन होना।
 - कभी बच्चे को संभालने की जिम्मेदारी को ले के खुद को सक्षम ना समझना।
 - खुद को निकम्मा, बेकार या दोषी समझना।
 - अतिसंवेदनशील होना या दबाव महसूस होना।
 - सभी गतिविधियों में से रुचि चली जाना या किसी बात पर आनंद होना एक मां होने पर भी आनंद ना होना।
 - भूख में परिवर्तन (या तो ज्यादा खाना या आहार में कमी होना)।
 - नींद में समस्या (नींद ना लगना, या जल्दी जाग जाना)।
 - उत्तेजित दिखना या अत्यंत घीमा होना।
 - सामान्य से बहुत थकान होना, जो एक बच्चे में सामान्य है।



एलोपैथी आज दुनिया-भर में सर्वाधिक प्रचलित चिकित्सा प्रणाली है। नित नई औषधि-तत्वों की खोज हो रही है। ज्यादातर दवाओं के गंभीर दुष्परिणाम सामने आ रहे हैं। ऐसे में लोगों का रुझान सैकड़ों वर्षों से व्यवहृत और निरूपद चिकित्सा पद्धतियों की तरफ देखा जा रहा है।

धब्बेदार अधःपतन

धब्बेदार अधःपतन एक कठिन रोग है और वह एक नंबर के हैं। एफडीए इलाज को मंजूरी दी गई है। कई तरीकों से काम धीमा करने के लिए, रोक या धब्बेदार अधःपतन के प्रभाव को रिवर्स, कोई भी एक निर्णायक इलाज का परिणाम विश्वसनीय होता है। अधःपतन की जगह लेने के लिए कई परीक्षण हो रहे हैं। इनका उपचार किसी भी हालत के लिए उपयुक्त हो सकता है, अपने नेत्र चिकित्सक के साथ चर्चा करके ठीक तरह से उपचार कर सकते हैं। इसकी स्थिति सक्रिय होती है। धब्बेदार अधःपतन का व्यवहार शुष्क रहता है। यह इंजेक्शन के माध्यम से प्राप्त होता है।

लाभ

अधःपतन प्रोस्टाग्लैंडीन है, इससे रक्त प्रवाह, रेटिना के बीच रक्त प्रवाह के लिए प्रयोग किया जाता है। इस प्रकार से कोशिकाओं की रक्षा में मदद करता है।

बाल सफेद हो रहे हों तो...

एक चम्मच भर आंवला चूर्ण दो घूंट पानी से सोते समय अंतिम वस्तु के रूप में लें। असमय बाल सफेद होने और चेहरे की कान्ति नष्ट होने पर जादू का सा असर करता है। (साथ ही स्वर को मधुर और शुद्ध बनाता है तथा गले की घर-घराहट भी इससे ठीक हो जाती है।

एक और उपाय है

आंवला चूर्ण का लेप – सूखे आंवलों के चूर्ण को पानी के साथ लेई बनाकर इसका खोपड़ी पर लेप करने तथा पांच दस मिनट बाद केशों को जल से धो लेने से बाल सफेद होने और गिरने बन्द हो जाते है।



आंवला जल से सिर धोएं

25 ग्राम सूखे आंवलों को मोटा कूटकर किए हुए टुकड़ों को 250 ग्राम पानी में रात को भिगो दें। प्रातः फूले हुए आंवलों को कड़े हाथ से मसलकर सारा जल पतले स्वच्छ कपड़े से छान लें। अब इस निथरे हुए जल को केशों की जड़ों में हल्के-हल्के अच्छी तरह मलिये और दस बीस मिनट बाद केशों को सादे पानी से धो डालिये। रूखे बालों को सप्ताह में एक बार और चिकने बालों को सप्ताह में दो बार धोना चाहिए।

मजबूत एम-पैक्स से गांव होंगे मजबूत और मजबूत गांवों से समृद्ध बनेगा उत्तराखण्ड : धामी

जयन्त प्रतिनिधि। देहरादून : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सोमवार को मुख्यमंत्री आवास से वर्चुअल माध्यम से गांवित बल्लभ पंत कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय, पंतनगर में सहकार भारती उत्तराखण्ड द्वारा आयोजित श्री लक्ष्मणराव इनामदार द्वितीय सहकारिता नेतृत्व प्रशिक्षण वर्ग के शुभारंभ सत्र को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने सहकार भारती के संस्थापक श्रद्धेय लक्ष्मणराव इनामदार जी की जयंती पर उन्हें नमन करते हुए कहा कि सहकारिता को सशक्त बनाकर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान करने की दिशा में ऐसे प्रशिक्षण कार्यक्रम महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे। उन्होंने कहा कि मजबूत नेतृत्व से एम-पैक्स मजबूत होंगे, मजबूत एम-पैक्स से गांव मजबूत होंगे और मजबूत गांवों से उत्तराखण्ड समृद्ध बनेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पंतनगर की ज्ञानभूमि से सहकारिता को नई दिशा देने वाली अनेक महत्वपूर्ण पहल प्रारंभ की गई हैं। सहकार ग्रंथ के लोकार्पण, देवभूमि सारथी राज्य सहकारी संघ की पहल, सहकारिता के क्षेत्र में नए पाठ्यक्रम की



शुरुआत, युवाओं को सहकारिता से जोड़ने के लिए सोशल मीडिया रील्ल्स अभियान तथा एम-पैक्स नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम के शुभारंभ से सहकारिता के क्षेत्र को

नई ऊर्जा मिलेगी। उन्होंने इन पहलों के लिए सहकारिता विभाग, पंतनगर विश्वविद्यालय और सहकार भारती को शुभकामनाएं दीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य देवभूमि उत्तराखण्ड की 'सहकार से समृद्धि' की दिशा में तेजी से आगे बढ़ाना है। पर्वतीय राज्य उत्तराखण्ड में सहकारिता अनेक चुनौतियों के समाधान का प्रभावी माध्यम बन सकती है। पलायन को रोकने, पर्वतीय कृषि को मजबूत करने, स्थानीय उत्पादों को बाजार उपलब्ध करने तथा

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाने में सहकारिता की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने कहा कि पैक्स राज्य की सहकारिता व्यवस्था की महत्वपूर्ण आधारशिला है।

बदलती आवश्यकताओं के अनुरूप इन्हें एम-पैक्स के रूप में और अधिक सक्षम एवं प्रभावी बनाया जा रहा है। राज्य सरकार एम-पैक्स के माध्यम से किसानों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने, युवाओं के लिए नए अवसर सृजित करने और ग्रामीण क्षेत्रों को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने की दिशा में कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि एम-पैक्स को प्रभावी बनाने के लिए कुशल और दूरदर्शी नेतृत्व आवश्यक है। इसी उद्देश्य से नेतृत्व प्रशिक्षण कार्यक्रम प्रारंभ किया गया है। प्रशिक्षण केवल जानकारी बढ़ाने का माध्यम नहीं, बल्कि नेतृत्व को नई सोच, कार्यदृष्टि और दिशा प्रदान करने का भी सशक्त माध्यम है। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री डॉ. धन सिंह रावत, कुलपति गोविन्द बल्लभ पंत कृषि विश्वविद्यालय पंतनगर शिवेन्द्र कुमार कश्यप, सहकार भारती संघ से राष्ट्रीय महासचिव दीपक चौरसिया, प्रदेश अध्यक्ष विनोद कुमार गौड़, संगठन मंत्री मणिराम नौटियाल, प्रदेश कोषाध्यक्ष सुधीर कुमार जोशी सहित डॉ. बृजेश, डॉ. दिनेश कुमार सिंह वर्चुअल माध्यम से जुड़े रहे।

श्रीदेव सुमन विवि ने जारी किया वार्षिक खेल कैलेंडर

नई टिहरी। श्रीदेव सुमन विश्वविद्यालय प्रशासन ने नए सत्र का वार्षिक खेल कैलेंडर जारी कर दिया है। खेलों को प्रोत्साहन देने के लिए गढ़वाल मंडल के विभिन्न महाविद्यालयों में अंतर महाविद्यालय त्रैड्रा प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएंगी। विवि के कुलपति प्रो. एसके महाजन ने सभी महाविद्यालयों को प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करने के निर्देश दिए हैं। विवि के त्रैड्रा परिषद के सह सचिव एवं उप परीक्षा नियंत्रक डॉ. हेमंत बिष्ट ने बताया कि शतरंज महिला-पुरुष प्रतियोगिता ओआईएमटी संस्थान ढालवाला में छह से सात अक्टूबर, वॉलीबाल महिला-पुरुष राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय मालदेवता देहरादून में 9 से 11 अक्टूबर, टेबल टेनिस महिला-पुरुष राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नई टिहरी में 16 से 17 अक्टूबर और एथलेटिक्स महिला-पुरुष एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस हरिद्वार में 30 से 31 अक्टूबर तक होगी। क्रिकेट पुरुष प्रतियोगिता आईटीएम कॉलेज देहरादून में तीन से सात नवंबर, बैडमिंटन महिला-पुरुष ओआईएमटी संस्थान ढालवाला में 13 से 14 नवंबर तथा खो-खो महिला-पुरुष प्रतियोगिता एसएमजेएन हरिद्वार में चार से पांच दिसंबर तक आयोजित की जाएगी। उन्होंने छात्र-छात्राओं से निर्धारित अंतिम तिथि से पहले संबंधित प्राध्यापकों के पास नाम दर्ज कराने की अपील की है। आयोजक महाविद्यालयों को तय कार्यक्रम के अनुसार सभी तैयारियां पूरी करने के निर्देश दिए गए हैं।

भाजपा प्रदेश कार्यालय में चकराता को लेकर फिर घमासान!

लखवाड़ बांध प्रभावितों को मुआवजा देने और रोजगार देने की मांग

नैनबाग (टिहरी)। यमुना नदी तट पर प्रस्तावित 300 मेगावाट लखवाड़ बांध परियोजना से प्रभावित कार्तिकारों की बैठक जुड़डे में जैनपुर जौनसार संघर्ष समिति के अध्यक्ष महिपाल सिंह सजवाण की अध्यक्षता में हुई। बैठक में परियोजना प्रभावितों को जल्द मुआवजा भुगतान करने, स्थानीय युवाओं को वरियता के आधार पर रोजगार देने और पूर्व में कंपनी की ओर से दर्ज कराए मुकदमें बिना शर्त वापस लेने की मांग प्रमुखता से उठाई गई। बैठक में अनुदान राशि, कृषि मजदूरी की दरों में बढोतरी, नई दरों का निर्धारण और पट्टाधारकों को शीघ्र मुआवजा देने की मांग की गई। जिला पंचायत सदस्य जोत सिंह रावत ने कहा कि विकास परियोजना का लाभ स्थानीय लोगों तक पहुंचना चाहिए। प्रभावित परिवारों के पुनर्वास, रोजगार और मुआवजे से जुड़े मामलों का समाधान आपसी सहमति से किया जाना चाहिए। बैठक में समिति के सचिव राकेश राणा, प्रेम सिंह रावत, जगमोहन सिंह चौहान, स्वराज तोमर, सुरेश रावत, महेंद्र सिंह पुंडीर, आनंद रावत, प्रदीप रावत, शैलेंद्र रावत आदि मौजूद रहे।

टिहरी जिले में खेल विवि का कैंपस बनाने की मांग

चंबा (टिहरी)। यहां एक होटल में आयोजित युवा संवाद कार्यक्रम में पूर्व कैबिनेट मंत्री व भाजपा नेता दिनेश सिंह धनाई ने युवाओं से कौशल विकास, स्वरोजगार और रोजगार के अवसरों को लेकर संवाद किया। पूर्व मंत्री धनाई ने कहा कि युवाओं की शिक्षा, कौशल विकास, स्वरोजगार और स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ाने के लिए प्रभावी प्रयास करने होंगे। कहा कि पहाड़ों में उद्योग लगाने के लिए कच्चा माल उपलब्ध कराना चुनौतीपूर्ण है लेकिन शैक्षणिक संस्थानों के लिए कच्चे माल की आवश्यकता नहीं होती। इसलिए पहाड़ों में रोजगारपरक शैक्षणिक संस्थान लाकर प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर बढ़ाए जा सकते हैं। इस मौके पर गौरव गुसाईं, धनवीर पुरसोड़ा, अनुज डबरावल, नवनीत रावत, अमन सजवाण, शुशांत उनियाल, प्रवीन भंडारी, भानु पुंडीर, ब्रिजेश बहुगुणा, अंकित बहुगुणा मौजूद रहे।

तुंगनाथ व पैदल मार्ग पर चलाया स्वच्छता अभियान

उखीमठ। तुंगनाथ धाम एवं पैदल मार्ग पर सोमवार में केदारनाथ विधायक आशा नौटियाल के नेतृत्व में सेवा संकल्प अभियान के तहत स्वच्छता अभियान चलाया गया। अभियान में तुंगनाथ की पवित्रता एवं प्राकृतिक सुंदरता को बनाए रखने के साथ ही श्रद्धालुओं और स्थानीय लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करना रहा।

स्वच्छता अभियान में ब्लॉक एवं वन विभाग के कर्मचारियों के साथ विभिन्न महिला समूहों से जुड़ी महिलाओं और स्थानीय कार्यकर्ताओं ने प्रतिभाग किया। इससे पूर्व उन्होंने तुंगनाथ मंदिर में पूजा-अर्चना की। विधायक ने कहा कि तुंगनाथ की पवित्रता और पर्यावरण को सुरक्षित रखना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है। इस अवसर पर खंड विकास अधिकारी अनुष्का, ज्येष्ठ प्रमुख राकेश नेगी, महिला आयोग सदस्य दर्शनी पंवार, वक्शेत्राधिकारी विमल भट्ट, मंडल अध्यक्ष दलबीर नेगी, प्रधान गीता देवी, जगदीश लाल सहित वन विभाग के कर्मचारी, महिला समूहों से जुड़ी महिलाएं एवं स्थानीय लोग उपस्थित रहे।

वाहन की टक्कर से घायल हुआ सांड

रुद्रप्रयाग। जवाड़ी बाईपास के काला पहाड़ बेंड के पास सोमवार सुबह एक अज्ञात वाहन की टक्कर से सांड घायल हो गया। सूचना पर गोरक्षा विभाग और पशुपालन विभाग की टीम ने मौके पर पहुंचकर नंदी सांड का उपचार कराया। वाहन की टक्कर से सांड का एक सींग टूट गया था। उसके पैरों और कमर में गंभीर चोटें आई हैं। उपचार के बाद सांड को रेतोली गोशाला पहुंचाया गया। गोरक्षा विभाग के अध्यक्ष रोहित डिमरी ने लोगों से गोवंश को सड़कों पर न छोड़ने की अपील की। इस दौरान गोरक्षा विभाग के अंकित राणा, दुर्गेश चमोली, पशुपालन विभाग के दुर्गा प्रसाद देवशाल, नगर पालिका कर्मचारी मौजूद रहे।

अगस्त्यमुनि खेल मैदान में ट्रैक करेंगे विकसित : ऐश्वर्या

अगस्त्यमुनि। बहुउद्देशीय सांस्कृतिक कला मंच में जिला स्तरीय विद्यालयी त्रैड्रा प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। मुख्य अतिथि राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष ऐश्वर्या रावत ने प्रतियोगिता का उद्घाटन किया। इस दौरान गुरुकुल नेशनल स्कूल के छात्रों ने सांस्कृतिक प्रस्तुतियां दीं। मुख्य अतिथि ऐश्वर्या ने कहा कि अगस्त्यमुनि खेल मैदान का संबंध अगस्त्य ऋषि महाराज से है। जनभावनाओं को ध्यान में रखते हुए जिलाधिकारी के माध्यम से खेल मैदान के समतलीकरण का कार्य जल्द कराया जाएगा। उन्होंने खिलाड़ियों की सुविधा के लिए दौड़ का ट्रैक विकसित करने का आश्वासन दिया। इस अवसर पर जिला स्तरीय प्रतियोगिताओं में ब्लॉकों से पहुंचे छात्र-छात्राओं ने लंबी कूद, चक्का फेंक, दौड़ और कबड्डी प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में विजेता खिलाड़ियों को प्रमाण पत्र और मेडल देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में कतिंक स्वामी समिति अध्यक्ष विन्मन सिंह नेगी, हर्षवर्धन बेंजवाल, प्रारंभिक शिक्षा संघ अध्यक्ष विन्मन डिकंवाण, जिला खेल समन्वयक प्रारंभिक शिक्षा हनीक सिद्दीकी, अगस्त्यमुनि ब्लॉक समन्वयक मुरारी राज, दीपेंद्र बिष्ट आदि मौजूद रहे।

देहरादून। चकराता विधानसभा क्षेत्र में योजनाओं को लेकर भाजपा के भीतर चल रहा विवाद अब पार्टी के प्रदेश कार्यालय तक पहुंच गया है। रविवार को मंत्री खजान दास के आवास पर भाजपा कार्यकर्ताओं के प्रदर्शन के बाद सोमवार को चकराता क्षेत्र से भाजपा में शामिल होने पहुंचे करीब दो दर्जन से अधिक लोगों की प्रस्तावित जॉइनिंग नहीं हो सकी। प्रदेश कार्यालय पहुंचे लोग बिना सदस्यता ग्रहण किए ही वापस लौट गए।

बताया जा रहा है कि चकराता विधानसभा क्षेत्र के करीब दो दर्जन से अधिक लोग भाजपा में शामिल होने के लिए प्रदेश कार्यालय पहुंचे थे। उन्हें पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष मधु चौहान और दर्जाधारी गीता राम गौड़ के नेतृत्व में कार्यालय लाया गया था। इसी दौरान घटनाक्रम ने नया मोड़ ले लिया।

मंत्री खजान दास के पहुंचते ही बदला माहौल
मीडिया रिपोर्टों के अनुसार, मंत्री खजान दास को जब चकराता से आए लोगों की प्रस्तावित जॉइनिंग की जानकारी मिली तो वह भी भाजपा प्रदेश कार्यालय पहुंचे थे। वहां उन्होंने जॉइनिंग कार्यक्रम का विरोध किया। इसके बाद जॉइनिंग की प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ी और



चकराता से पहुंचे लोगों को बिना सदस्यता लिए वापस लौटना पड़ा। हालांकि, भाजपा संगठन की ओर से जॉइनिंग रोके जाने के संबंध में विस्तृत आधिकारिक कारण सार्वजनिक नहीं किया गया है। इसलिए इस घटनाक्रम को लेकर सामने आ रही राजनीतिक वजहों को फिलहाल रिपोर्टों और संबंधित पक्षों के बयानों के रूप में ही देखा जाना चाहिए।

एक दिन पहले मंत्री के आवास पर हुआ था प्रदर्शन
जॉइनिंग प्रकरण से ठीक एक दिन पहले रविवार को

सड़क हादसों पर प्रशासन सख्त



देहरादून, मोहब्बेवाला क्षेत्र में दिल्ली-देहरादून राजमार्ग पर लगातार हो रही सड़क दुर्घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए जिलाधिकारी देहरादून और वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक देहरादून ने सोमवार को संयुक्त रूप से राजमार्ग एवं दुर्घटना स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर दुर्घटनाओं के संभावित कारणों और

यातायात व्यवस्था का जायजा लिया। यह निरीक्षण 20 सितंबर को मोहब्बेवाला क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना के बाद किया गया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने संबंधित विभागों के अधिकारियों को दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए तत्काल प्रभावी कदम उठाने के निर्देश दिए।

जागतोली और मक्खू में लगाया स्वास्थ्य शिविर

रुद्रप्रयाग। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन की ओर से सोमवार को मक्खू और जागतोली में स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए गए। इस दौरान मक्खू में 180 लोगों की नेत्र जांच की गई। वहीं जागतोली में 157 लोगों की टीबी एक्स-रे स्क्रीनिंग और 212 लोगों की एचआईवी-एड्स काउंसलिंग की गई। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. पारुल गोयल ने बताया कि दूरस्थ क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। जागतोली महोत्सव स्थल पर आयोजित टीबी एक्स-रे स्क्रीनिंग कैंप में 157 लोगों की जांच की गई। 18 लोगों के बलगम के नमूने

भी लिए गए। राजकीय इंटर कॉलेज मक्खू में निर्मल आश्रम नेत्र संस्थान के सहयोग से आयोजित निशुल्क नेत्र शिविर में 180 लोगों की आंखों की जांच हुई। इनमें 14 लोगों को चश्मे वितरित किए गए। वहीं छह बच्चों को बेस चिकित्सालय के लिए रेफर किया गया है। इस दौरान डॉ. अंजली ममगाई, फार्मासिस्ट बिजेन्द्र गुसाईं, डॉटर्स प्लस सुपरवाइजर सुनील राणा, वरिष्ठ टीबी लैब सुपरवाइजर हरीश चौधरी, वरिष्ठ उपचार पर्यवेक्षक सुमन रावत, गौरव नौटियाल, दृष्टिमित्रिज कुलेंद्र रावत, आर्यन, अमन सरियाल और सुखवीर सिंह मौजूद रहे।

किशाऊ बांध बना तो जलमग्न होगी 4,250 बीघा उपजाऊ जमीन

चकराता/ देहरादून। प्रस्तावित किशाऊ बांध परियोजना को लेकर क्खू क्षेत्र के ग्रामीणों में चिंता बढ़ती जा रही है। ग्रामीणों का कहना है कि यदि बांध का निर्माण संभरखेड़ा क्षेत्र में किया जाता है, तो क्खू क्षेत्र के कोटी, मैलौत और मंडगांव सहित आसपास की करीब 4,250 बीघा उपजाऊकृषि भूमि जलमग्न हो सकती है। ग्रामीणों के अनुसार क्खू क्षेत्र लंबे समय से अपनी उन्नत कृषि पैदावार के लिए जाना जाता है। यहां बड़ी मात्रा में टमाटर, मका और गेहूं की खेती होती है। किसानों का कहना है कि क्षेत्र की अर्थव्यवस्था काफी हद तक खेती पर निर्भर है और कृषि भूमि के डूबने से रोजगार तथा ग्रामीणों की आजीविका पर गंभीर असर पड़ सकता है।

खेती ही नहीं, पूरी ग्रामीण अर्थव्यवस्था पर असर की आशंका
ग्रामीणों का कहना है कि क्खू की जमीन केवल खेत नहीं, बल्कि कई परिवारों की



पीढ़ियों से चली आ रही आजीविका का आधार है। किसानों के मुताबिक यहां की जमीन कृषि उत्पादन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है और हर साल बड़ी मात्रा में टमाटर समेत अन्य फसलों का उत्पादन होता है। किसानों का दावा है कि क्षेत्र से उत्पादित टमाटर दिल्ली समेत अन्य मंडियों तक पहुंचता है

तकनीकी जांच के निर्देश

अधिकारियों ने निर्देश दिए कि मोहब्बेवाला क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की विस्तृत एवं तकनीकी जांच की जाए। सड़क की स्थिति, सड़क इंजीनियरिंग, ब्लैक स्पाट, ओवरस्पीडिंग तथा यातायात नियमों के उल्लंघन समेत सभी पहलुओं का विश्लेषण करने को कहा गया।

बड़े साइन बोर्ड और रंबल स्टिप लगाने के निर्देश

दुर्घटना संभावित क्षेत्र में वाहन चालकों को सावधान करने के लिए बड़े एवं स्पष्ट साइन बोर्ड लगाए जाएंगे। इसके साथ ही वाहनों की गति नियंत्रित करने के उद्देश्य से रंबल स्टिप/ब्रेकर लगाने के निर्देश भी दिए गए।

प्रशासन ने संबंधित विभागों को दुर्घटनाओं की रोकथाम के लिए एक विस्तृत कार्ययोजना तैयार कर उसका तत्काल क्रियान्वयन सुनिश्चित करने को कहा है।

निरीक्षण के दौरान एसपी सिटी, प्रशासन, NHA, RTO तथा पुलिस के अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

पहाड़ में एकीकृत खेती से बढ़ेगी किसानों की आय

जखौली। पहाड़ों में पारंपरिक खेती को आधुनिक तकनीक से जोड़कर किसानों की आय बढ़ाने को लेकर तिमली-बड़मा में एकीकृत खेती पर कार्यशाला हुई। इस दौरान क्षेत्र में केंले की खेती को आय का प्रमुख स्रोत बनाने के साथ-साथ बड़ी इलायची, हल्दी और अन्य नकदी फसलों को बढ़ावा देने पर जोर दिया गया। कहा गया कि एकीकृत खेती से किसानों की आय बढ़ेगी। वक्ताओं ने कहा कि एक ही खेत में विभिन्न फसलों के साथ पशुपालन, मत्स्य पालन और अन्य गतिविधियों को जोड़कर किसानों की आय को कई स्रोत तैयार किए जा सकते हैं। लक्ष्मण धीरावग ने कहा कि पहाड़ की खेती मूल रूप से प्राकृतिक खेती की परंपरा से जुड़ी है। यहां उत्पादित कृषि उपज को दिल्ली जैसे बड़े महानगरों में बाजार उपलब्ध कराने की दिशा में प्रयास किए जाने चाहिए। आइसक्रीम उद्यमी दाना भट्ट ने बताया कि पहाड़ी केलें को उपयोग आइसक्रीम में किया जा रहा है।

पुलिस ने जिलेभर में अभियान चलाकर 547 लोगों का किया सत्यापन

नई टिहरी। पुलिस ने सुस्था व्यवस्था को सुदृढ़ बनाए रखने के लिए जिलेभर में सघन सत्यापन अभियान चलाया गया। इस दौरान पुलिस ने 12 थाना क्षेत्रों में 547 किराएदारों और मजदूरों का सत्यापन किया। सत्यापन के लिए निर्धारित मानकों का पालन नहीं करने वाले 108 व्यक्तियों के खिलाफ पुलिस एक्ट में चालानी कार्रवाई की गई। एसएसपी श्वेता चौबे ने बताया कि जिले के सभी 12 थाना प्रभारियों को सघन सत्यापन अभियान चलाने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने सभी भवन स्वामियों से अपने किराएदारों और श्रमिकों का सत्यापन अनिवार्य रूप से कराने की अपील की है। एसएसपी ने बताया कि कैंपटी पुलिस थाना पुलिस ने 35 सत्यापन कर सात का पुलिस एक्ट में चालान किया है। छाम थाने में 14 सत्यापन दो चालान, चंबा थाने में 67 सत्यापन 21



थाने में 34 सत्यापन तीन चालान, नई टिहरी कोतवाली में 59 सत्यापन सात चालान, मुनि की रैती थाने में 182 सत्यापन 35 चालान और देवप्रयाग पुलिस थाना क्षेत्र में 48 सत्यापन और 10 के पुलिस एक्ट में चालानी कार्रवाई की गई। एसएसपी ने बताया कि पुलिस एक्ट में 42 नकद चालान से 14 हजार 750 रुपये शुल्क वसूला गया। जबकि कोर्ट के 6.60 लाख रुपये के 66 चालान कोर्ट को प्रेषित किए गए।

जयन्त
संस्थापक : नरेन्द्र उनियाल
स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं सम्पादक नागेंद्र उनियाल द्वारा प्रतिभा प्रेस बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से मुद्रित तथा बदरीनाथ मार्ग, कोटद्वार गढ़वाल (उत्तराखण्ड) से प्रकाशित।
सभी विवादों का न्याय क्षेत्र कोटद्वार, (गढ़वाल) उत्तराखण्ड होगा।
CONT. 9412081969
PRGI NO. 35469/79

21 साल के पाकिस्तानी बल्लेबाज ने ठोका हाहाकारी शतक



सीपीएल यानी कैरेबियन प्रीमियर लीग 2026 के फाइनल में पाकिस्तानी बल्लेबाज के बल्ले का धमाल देखने को मिला. 21 साल का ये वही पाकिस्तानी बल्लेबाज है, जिसके नाम सीपीएल के सबसे छोटे सेचुरियन होने का भी रिकॉर्ड दर्ज है. हम बात कर रहे हैं माज सदाकत की, जिन्होंने फाइनल मुकाबले में एक बार फिर से अपनी काबिलियत का लोहा मनवाया और सीपीएल

ऐसा करने वाला बना पहला खिलाड़ी

2026 में अपना दूसरा शतक जड़ा है. इससे पहले माज सदाकत ने एलिमिनेटर मुकाबले में भी शतक जड़ा था और सीपीएल में शतक जड़ने वाले सबसे कम उम्र के बल्लेबाज बने थे. सीपीएल 2026 के फाइनल मुकाबले में एंटीगा एंड बारबुडा फाल्कंस के खिलाफ जमैका किंग्समेन ने पहले बल्लेबाजी की. जमैका किंग्समेन के लिए माज सदाकत और किर्क मैकेन्जी ने ओपन किया. अब मैकेन्जी तो बिना खाता खोले ही आउट हो गए. लेकिन 21 साल के पाकिस्तानी माज सदाकत ने अपने इरादे साफ जता दिए. नतीजा ये हुआ कि मैच के आखिरी ओवर तक उन्होंने ना सिर्फ एक छोर संभाले रखा बल्कि जमैका किंग्समेन के स्कोर बोर्ड को भी चलाते रहे. ऐसा करते हुए माज सदाकत सीपीएल फाइनल में शतक लगाने वाले पहले बल्लेबाज बन गए.

49 गेंदों में फाइनल में जमाया शतक - माज सदाकत ने सीपीएल 2026 के फाइनल में 58 गेंदों पर 114 रन बनाए, जिसमें 9 छक्के और 8 चौके शामिल रहे.

इस पारी के दौरान उन्होंने अपना शतक सिर्फ 49 गेंदों में पूरा किया. ये उनके सीपीएल और टी-20 करियर का दूसरा शतक है. इससे पहले अपना पहला सीपीएल सीजन खेल रहे माज सदाकत ने एलिमिनेटर मैच में 44 गेंदों में शतक लगाया था. माज सदाकत ने एलिमिनेटर में 112 रन बनाए थे. उस लिहाज से फाइनल में बनाए 114 रन, उनके टी20 करियर का सबसे बड़ा स्कोर है.

माज सदाकत के शतक की बदौलत बने 170 रन - माज सदाकत के शतक की बदौलत ही जमैका किंग्समेन 20 ओवर में 9 विकेट पर 170 रन बनाने में कामयाब रही. उनके शतक को अगर निकाल दें तो टीम के बाकी बल्लेबाज फाइनल में फेल दिखे. बाकी बल्लेबाजों में सिर्फ एक और सैम अयूब ही दहाई के आंकड़े को पार करने में कामयाब रहे. सैम अयूब ने 29 रन बनाए और टीम के दूसरे टॉप स्कोरर रहे. मतलब कहा जा सकता है जमैका किंग्समेन अपने पाकिस्तानी खिलाड़ियों के भरोसे ही फाइनल में फाइटिंग टोटल खड़ा कर सकी ।

एमएलएस : 2- 2 से ड्रॉ रहा इंटर मियामी और सैन डिएगो के बीच खेला गया मुकाबला, मेसी ने दागा एक गोल

मियामी । एमएलएस रेगुलर सीजन में इंटर मियामी सीएफ और सैन डिएगो एफसी के बीच मुकाबला 2-2 की बराबरी पर खत्म हुआ। इंटर मियामी को इस मैच में एक अंक मिला। टीम के लिए कप्तान लियोनेल मेसी और स्टार स्ट्राइकर लुइस सुआरेज ने गोल किए। मेहमान टीम सैन डिएगो एफसी ने मैच के 12वें मिनट में एंडर्स ड्रायर के गोल की मदद से बढ़त हासिल की। इसके बाद 24वें मिनट में लियोनेल मेसी ने इंटर मियामी की ओर से शानदार गोल दागते हुए स्कोर को 1-1 से बराबर कर दिया। मेसी की फ्री-किक सीधे गोल के ऊपरी बाएं कोने में गई और गोलकीपर उसे रोक नहीं पाया। यह मेसी का इस सीजन का 20वां गोल रहा। वह एमएलएस 2026 गोल्डन बूट की दौड़ में सबसे आगे चल रहे हैं। इसके साथ ही मेसी एमएलएस इतिहास के केवल दूसरे खिलाड़ी



बन गए हैं जिन्होंने लगातार तीन सीजन में 20 या उससे अधिक गोल किए हैं। उनसे पहले यह उपलब्धि एलएफसी के डेनिस बुआंगा ने 2023 से 2025 के बीच हासिल की थी।

संक्षिप्त

समाचार

एशियन गेम्स 2026:

भारत ने पाकिस्तान को धोया कबड्डी-हॉकी में भी छाए भारतीय खिलाड़ी

नई दिल्ली, एजेंसी। आज भारतीय खिलाड़ी कबड्डी, टेबल टेनिस, बैडमिंटन, मिक्स्ट मार्शल आर्ट्स, वुशू, हॉकी, निशानेबाजी, तैराकी, सांपट टेनिस, बॉक्सिंग और सेपक टकरा जैसे इवेंट्स में अपनी चुनौती पेश कर रहे हैं. एशियन गेम्स 2026 के पहले दिन भारत ने दो सिल्वर मेडल जीते थे. सोनम मस्कर, इलावेलिन वलारिवन और विदर्सा विनोद की तिकड़ी ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल टीम इवेंट में भारत को रजत पदक दिलाया. फिर इलावेलिन वलारिवन ने विमेंस 10 मीटर एयर राइफल इंडिविजुअल इवेंट में भी सिल्वर पर निशाना साधा.

भारतीय महिला क्रिकेट टीम ने भी बांग्लादेश को 114 रनों से हराकर फाइनल का टिकट



हासिल किया. अब विमेंस क्रिकेट प्रतियोगिता के फाइनल में भारत की टक्कर श्रीलंका से 22 सितंबर को होगी. हॉकी, टेबल टेनिस में भी भारत का प्रदर्शन सराहनीय रहा. मिक्स्ट मार्शल आर्ट्स में सुचिका तारियाल ने भारत के लिए शानदार प्रदर्शन किया. तैराकी, वुशू और टेकबॉल में भारतीय खिलाड़ियों ने निराश किया. भारत और पाकिस्तान के बीच हुए दोनों मुकाबलों में खेल भावना देखने को मिली. इससे पहले भारतीय महिला टीम ने भी अपने मैच के बाद पाकिस्तानी खिलाड़ियों के साथ गर्मजोशी से हाथ मिलाया. बाद में भारत की 3-0 से शानदार जीत के बाद पायस जैन और पाकिस्तान की टीम ने भी नेट के पास हाथ मिलाया ।

ओडिशा टी20 लीग

गौरव चौधरी ने खेली धमाकेदार पारी

संबलपुर वॉरियर्स ने कटक पैथर्स को 9 रनों से हराया

कटक । संबलपुर वॉरियर्स ने ओडिशा टी20 लीग की शुरुआत जीत के साथ की है । टीम ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए बाराबती स्टेडियम में कटक पैथर्स को 9 रनों से हराया । पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉरियर्स ने 20 ओवरों में 8 विकेट खोकर 193 रन स्कोरबोर्ड पर लगाए । टीम के कप्तान गौरव चौधरी ने शानदार बल्लेबाजी करते हुए 46 गेंदों में 88 रनों की दमदार पारी खेली । उन्होंने अपनी इस पारी में 9



चौके और 6 छक्के लगाए । गौरव चौधरी को शांतनु मिश्रा का अच्छा साथ मिला, और दोनों ने मिलकर 135 रनों की शानदार ओपनिंग पार्टनरशिप की । आउट होने से पहले शांतनु ने 40 गेंदों में 60 रन बनाए, जबकि गौरव तेजी से स्कोरबोर्ड को आगे बढ़ाते रहे । हालांकि, कप्तान के पवेलियन लौटने के बाद वॉरियर्स की पारी बुरी तरह से लड़खड़ा गई और टीम ने लगातार अंतराल पर विकेट गंवाए । हालांकि, इसके बावजूद टीम 193 रनों के टोटल तक पहुंचने में सफल रही । अभिषेक सिंह कटक पैथर्स की ओर से सबसे सफल गेंदबाज रहे और उन्होंने 4 ओवर में 32 रन देकर 3 विकेट चटकाए ।



यहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं, जापान के खिलाफ मुकाबला रोमांचक होगा: अख्यर

सानो (जापान), एजेंसी । भारत और जापान की पुरुषों क्रिकेट टीम के बीच मंगलवार को सानो इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में ऐतिहासिक टी20 मैच खेला जाना है, लेकिन सोमवार को तेज बारिश के कारण भारत का ट्रेनिंग सेशन रद्द करना पड़ा। हालांकि, कप्तान श्रेयस अख्यर मेजबान जापान के खिलाफ भारतीय पुरुष क्रिकेट इतिहास के पहले टी20 मैच को लेकर पूरे जोश में हैं। उन्होंने इस मुकाबले को एक नई जगह पर 'रोमांचक चुनौती' बताया है। मुकाबले से पहले अख्यर ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में पत्रकारों से कहा, 'यह हमारे लिए एक रोमांचक और दिलचस्प मुकाबला होने वाला है। ऐसा पहली बार है, जब हम जापान के विरुद्ध खेलेंगे। मुझे वहां के हालात और पिच के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं है, लेकिन एक शानदार मैच की उम्मीद है।' भारतीय टीम

पहली बार जापान के खिलाफ टी20 मैच खेलने जा रही है। ऐसे में टीम मैनेजमेंट ने जापानी खिलाड़ियों के बारे में जानने के लिए वीडियो फुटेज और डिजिटल क्लिप्स का सहारा लिया।

कप्तान अख्यर ने कहा, 'मैंने इधर-उधर कुछ वीडियो क्लिप्स देखी हैं। लेकिन हां, हम खिलाड़ियों के बारे में और जानकारी हासिल करेंगे और कल के मैच के लिए बहुत उत्साहित हैं। उम्मीद है कि बारिश नहीं होगी और स्टेडियम में आने वाले सभी दर्शकों को एक अच्छा, कड़ा मुकाबला देखने को मिलेगा।' अख्यर ने यह भी बताया कि कैसे वे देश जहां पारंपरिक रूप से क्रिकेट नहीं खेला जाता था, अब तेजी से इस खेल को अपना रहे हैं। उन्होंने कहा, 'मैंने कभी इस बारे में सोचा नहीं था, लेकिन हां, अब हर देश में क्रिकेट लोकप्रिय हो रहा है और सभी टीमों

अपने-अपने तरीके से मजबूत हो रही हैं। इसलिए मुझे यकीन है कि कल का मैच भी रोमांचक होगा।' भारतीय टीम के लिए जापान का दौरा पारंपरिक विदेशी दौरों से बिल्कुल अलग अनुभव है। कप्तान ने कहा, 'निश्चित रूप से यह ऑस्ट्रेलिया, इंग्लैंड और न्यूजीलैंड जाने के हमारे पुराने अनुभवों से बिल्कुल अलग है। यह हमारा पहला दौरा है, और यहां की संस्कृति और लोगों का अनुशासन का तरीका बहुत अलग है। मुझे नई संस्कृतियों को अपनाना और वहां के माहौल व रहने-सहने के तौर-तरीकों में जल्द से जल्द ढलना पसंद है। इसलिए यह हमारे लिए एक नई चुनौती है, और हम निश्चित रूप से इसके लिए उत्साहित हैं। हमने देखा है कि पिछले कुछ वर्षों में भारत और जापान के बीच दोस्ती मजबूत हुई है। उम्मीद है कि सब अच्छा होगा।

एशियन गेम्स 2026:

सुचिका तारियाल 700 ग्राम ज्यादा वजन की वजह से हारी मैच

नई दिल्ली, एजेंसी। मिक्स्ट मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी सुचिका तारियाल ने भारत को एशियन गेम्स में ब्रॉन्ज मेडल तो जिता दिया लेकिन इस खिलाड़ी का गोल्ड जीतने का सपना टूट गया. बड़ी बात ये है कि सुचिका खराब खेल की वजह से मैच नहीं हारी, बल्कि एक नियम ने उन्हें सेमीफाइनल से बाहर कर दिया. सुचिका को प्वाइंट्स के आधार पर नहीं बल्कि वजन के आधार पर हार झेलनी पड़ी. आइए आपको बताते हैं क्या है सुचिका तारियाल का 700 ग्राम वजन का विवाद, आखिर क्यों फुट-फुटकर रने को मजबूर हुई भारतीय खिलाड़ी? **सुचिका तारियाल की विवादित हार** - सुचिका तारियाल 60 किलो वर्ग के सेमीफाइनल में सिगापुर की हुई हून तेओ से भिड़ रही थीं. दोनों के बीच कड़ा मुकाबला रहा. रेगुलेशन टाइम और ओवरटाइम के बाद भी जज ये फैसला नहीं कर सके कि जीता कौन? शुरू में जजों ने तेओ को विजेता घोषित



किया लेकिन इसके बाद भारतीय टीम ने विरोध जताया. भारत ने 1000 डॉलर फीस देकर फैसले पर दोबारा विचार करने की कार्यवाही कराई और नए जजों ने फुटेज देखने के बाद मुकाबले को ड्रां घोषित किया. लेकिन मुकाबला ड्रां होने के बावजूद सुचिका हार गई.

इस नियम की वजह से हारी सुचिका - एशियन मिक्स्ट मार्शल आर्ट्स एसोसिएशन के नियमों के मुताबिक जब मुकाबला ड्रां रह जाए और दूसरे टाई-ब्रेकर भी बराबर हों तो सुबह के वजन के आधार पर फैसला होता है. नियम के मुताबिक हल्का वजन वाला खिलाड़ी विजेता माना जाता है. सुचिका का वजन लगभग 59.2 किग्रा था, जबकि तेओ का वजन 58.5 किग्रा था , यानी सुचिका का वजन 700 ग्राम ज्यादा था. इसी वजह से तेओ को फाइनल का टिकट दे दिया गया और सुचिका को ब्रॉन्ज मेडल मिला. सुचिका इस फैसले से बेहद नाराज और दुखी हुईं. वो मैट पर ही फुट-फुटकर रने लगी. इस खिलाड़ी ने शुरुआत में रेफरी और विरोधी खिलाड़ी से हाथ मिलाते से भी इनकार कर दिया था. सुचिका ने ब्रॉन्ज मेडल जीतकर भारत को एमएएम में पहला मेडल तो दिलाया लेकिन सच ये है कि वो गोल्ड मेडल के मौके से चूक गईं.

आईएसएल में नई शुरुआत:

करण यादव बने नए सीईओ , वलब-आधारित मॉडल के नए दौर में पहुंची लीग



नई दिल्ली, एजेंसी। इंडियन सुपर लीग ने सोमवार को करण यादव को अपना नया मुख्य कार्यकारी अधिकारी नियुक्त किया। भारतीय फुटबॉल में क्लब-आधारित नए दौर की शुरुआत के बीच यादव को यह जिम्मेदारी सौंपी गई है। वह लीग ऑफिस की कमान संभालने के साथ कमर्शियल ग्रांथ, बॉडकास्ट रणनीति और फैंस के साथ जुड़ाव को मजबूत करने पर काम करेंगे। **करण यादव ने नई भूमिका पर क्या कहा?** यादव ने आईएसएल की नई व्यवस्था और अपनी भूमिका को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, आईएसएल एक महत्वपूर्ण नए अध्याय में प्रवेश कर रही है और मैं आगे की दिशा तय करने में योगदान देने के इस अवसर को लेकर उत्साहित हूं।

कोहली-डिविलियर्स नहीं : इस युवा खिलाड़ी की स्किल चुराना चाहते हैं सूर्यकुमार ! कम उम्र में ही बनाए कई रिकॉर्ड्स

मुंबई, एजेंसी। वैभव सूर्यवंशी ने कम उम्र में ही अपने शानदार प्रदर्शन से क्रिकेट जगत का ध्यान खींचा है। अब सूर्यकुमार यादव ने भी उनकी तारीफ की है। दूसरे क्रिकेटर की एक स्किल हासिल करने के सवाल पर सूर्यकुमार ने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे दिग्गजों के बजाय सूर्यवंशी की छक्के लगाने की क्षमता को चुना। भारतीय बल्लेबाज

सूर्यकुमार यादव ने उस खिलाड़ी का नाम बताया है, जिसकी एक खास स्किल वह अपने खेल में चाहते हैं। हैरानी की बात यह रही कि उन्होंने विराट कोहली, रोहित शर्मा, एमएस धोनी और एबी डिविलियर्स जैसे बड़े नामों के बजाय युवा बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी को चुना। सूर्यकुमार से जब पूछा गया कि वह किसी दूसरे



कहा, 'एक युवा लड़का है, आपने उसका नाम जरूर सुना होगा- वैभव सूर्यवंशी। निश्चित रूप से उसकी छक्के लगाने की क्षमता।' **आईपीएल 2026 में 72 छक्के लगाए थे** - वैभव सूर्यवंशी ने आईपीएल 2026 में अपने बल्ले से जबरदस्त प्रदर्शन किया।

जॉनसन-स्टेनलेक बाहर ,एडवर्ड्स को मौका, साउथ अफ्रीका से वनडे से पहले ऑस्ट्रेलिया की टीम में बदलाव

नईदिल्ली, एजेंसी। तेज गेंदबाज जैक एडवर्ड्स साउथ अफ्रीका के खिलाफ तीन मैचों की सीरीज के लिए ऑस्ट्रेलिया की टीम में शामिल होने के बाद वनडे में डेब्यू करने के करीब हैं। ऑलराउंडर अभी भारत दौरे पर ऑस्ट्रेलिया ए टीम के साथ पुडुचेरी में हैं। यहां से डरबन जाएंगे। गुरुवार को पहला वनडे है। वह इंडिया ए के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया ऑस्ट्रेलिया के चार दिन के मैच की तैयारी कर रहे थे। तेज गेंदबाज बिली स्टेनलेक जिम्बाब्वे के खिलाफ दूसरे वनडे के दौरान साइड स्टून के बाद सीरीज से बाहर हो गए हैं। स्टेनलेक अपने पांचवें ओवर के बीच में चोटिल हो गए। ऑस्ट्रेलिया लौटने के बाद

उनका स्कैन होगा। इस बीच स्पेंसर जॉनसन को जिम्बाब्वे के खिलाफ तीन वनडे में से दो में खेलने के बावजूद टीम से रिलीज कर दिया गया

जरूरत नहीं होगी। वह अगले महीने पुडुचेरी में ऑस्ट्रेलिया ए टीम से तीन 50-ओवर के मैच के लिए जुड़ेंगे।



है। बाएं हाथ के इस तेज गेंदबाज को चोट नहीं लगी है, लेकिन मैनेजमेंट को लगा की साथथ अफ्रीका के खिलाफ वनडे सीरीज में उनकी

और जेवियर बार्टलेट दूसरे पेस ऑप्शन होंगे। वनडे मैच 24, 27 और 30 सितंबर को डरबन, जोहान्सबर्ग और पोर्टचेफस्ट्रूम में खेले जाएंगे।

पेट कमिस और मिचेल स्टार्क ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ेगे - जॉनसन 18 महीने के अंतराल के बाद वनडे क्रिकेट में लौटे और रविवार को जिम्बाब्वे पर ऑस्ट्रेलिया की रोमांचक जीत में अहम भूमिका निभाईं। उन्होंने दो विकेट लिए और आखिरी विकेट के लिए 27 रन की साझेदारी में योगदान दिया। पेट कमिस और मिचेल स्टार्क डरबन में ऑस्ट्रेलिया की टीम से जुड़ेगे। नाथन एलिस, जोश हेजलवुड